हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 260 बेमेतरा, रविवार 17 मई 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

पक्के घर का सपना हुआ साकार : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने लेमरू में हितग्राही धरम सिंह के नए आवास में कराया गृह प्रवेश

रायपुर। सुशासन तिहार के अंतर्गत मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कोरबा जिले के लेमरू पहुंचकर प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के हितग्राही धरम सिंह के नव निर्मित आवास का उद्घाटन एवं गृह प्रवेश कराया। वर्षों तक कच्चे मकान में कठिन परिस्थितियों में जीवन बिताने वाले धरम सिंह के परिवार के लिए यह दिन किसी उत्सव से कम नहीं रहा। मुख्यमंत्री ने परिवार के सदस्यों से आत्मीय मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना और नए घर के लिए शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री साय ने आवास का अवलोकन करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण जरूरतमंद परिवारों के जीवन में सम्मान, सुरक्षा और नई उम्मीद लेकर आई है। उन्होंने कहा कि सरकार अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री साय ने बच्चों को अच्छी शिक्षा प्राप्त कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत सोलर पैनल स्थापना हेतु डीएमएफमद से हितग्राही अंशदान की 60 हजार रुपये की राशि प्रदान की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार गरीब और जरूरतमंद परिवारों को केवल आवास ही नहीं, बल्कि बेहतर जीवन के लिए आवश्यक सुविधाएं भी उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री के आगमन से धरम सिंह का परिवार भावुक हो उठा। परिवार ने आत्मीय स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री आवास योजना सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से मिले लाभों के लिए आभार व्यक्त किया। पूरे गांव में उत्साह और खुशी का माहौल देखने को मिला। ग्रामीणों ने कहा कि अब योजनाओं का लाभ वास्तव में जरूरतमंदों तक पहुंच रहा है और लोगों का शासन के प्रति विश्वास मजबूत हुआ है। इस अवसर पर उद्योग एवं श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन, वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

सेना प्रमुख की पाकिस्तान को दो टूक, आतंकवाद का समर्थन करेगा तो मिटा दिया जायेगा मानचित्र से

नयी दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पाकिस्तान को एक बार फिर कड़ा संदेश देते हुए कहा है कि उसे तय करना होगा कि वह विश्व मानचित्र पर अपनी पहचान बनाए रखना चाहता है या आतंकवादियों को आश्रय देने और भारत के खिलाफ शत्रुतापूर्ण गतिविधि जारी रखकर खुद को इतिहास से मिटाने का जोखिम लेना चाहता है।

शनिवार को यहां मानेकशॉ सेंटर में आयोजित एक संवाद सत्र में यह पूछे जाने पर कि अगर ऑपरेशन सिंदूर जैसी परिस्थितियां फिर से उत्पन्न होती हैं तो भारतीय सेना कैसा जवाब देगी, तो जनरल द्विवेदी ने दो टूक उत्तर देते हुए कहा, अगर आपने पहले मेरी बातें सुनी हैं, तो मैंने कहा है कि पाकिस्तान अगर आतंकवादियों को पनाह देता रहा और भारत के खिलाफ गतिविधियां करता रहा, तो उसे तय करना होगा कि वह भौगोलिक मानचित्र का हिस्सा रहना चाहता है या इतिहास का।

सेना प्रमुख की यह टिप्पणी भारत के शीर्ष सैन्य नेतृत्व की ओर से एक मजबूत चेतावनी के रूप में देखी जा रही है जो यह संकेत देती है कि सीमा पार आतंकवाद को लेकर भारत की सहनशीलता सीमित है और भविष्य में कोई भी भड़काने वाली कार्रवाई का निर्णायक जवाब दिया जायेगा।

जनरल द्विवेदी ने पिछले वर्ष नवंबर में 'चाणक्य डिफेंस डायलॉग' को संबोधित करते हुए कहा था , ऑपरेशन सिंदूर केवल एक ट्रेलर था, जो 88 घंटे में समाप्त हुआ। हम भविष्य में किसी भी परिस्थिति के लिए तैयार हैं। अगर पाकिस्तान अवसर देगा, तो हम उसे यह सिखाएंगे कि पड़ोसी देश के साथ जिम्मेदारी से व्यवहार कैसे करना चाहिए।

ऑपरेशन सिंदूर के समय सैन्य संचालन महानिदेशक रहे लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने इस ऑपरेशन की पहली वर्षगांठ पर कहा था कि भारत की सैन्य कार्रवाई के कारण पाकिस्तान को नियंत्रण रेखा पर भारी नुकसान उठाना पड़ा जिसके बाद उसे भारत के सामने संघर्षविराम की गुहार लगानी पड़ी।

छत्तीसगढ़ सरकार के खर्चों में हुई कटौती

विदेशी यात्राओं पर प्रतिबंध, कम वाहनों के इस्तेमाल का भी निर्देश

रायपुर। वैश्विक संकट के बीच छत्तीसगढ़ सरकार ने वित्तीय कटौती के अनुरुप नया निर्देश जारी किया है।इसमें वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी की दूरदर्शिता के अनुरूप वित्त विभाग में व्यय कटौती संबंधी मितव्ययिता आदेश जारी किया है।

सीमित वाहनों के इस्तेमाल करने के निर्देश: राज्य शासन द्वारा वित्तीय संसाधनों के कुशल प्रबंधन और सार्वजनिक व्यय में अनुशासन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से वर्तमान में निम्नानुसार मितव्ययिता के उपायों को तत्काल प्रभाव से लागू करने का निर्णय लिया गया है।

कारकेड में वाहनों का सीमित उपयोग: मुख्यमंत्री, मंत्रीगण, समस्त निगम, मण्डल, आयोग के पदाधिकारियों के कारकेड वाहनों में केवल अत्यावश्यक वाहनों का ही उपयोग किया जाए। अन्य शासकीय संसाधनों का संयमित उपयोग सुनिश्चित किया जाए।

इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को प्रोत्साहन: राज्य के समस्त शासकीय वाहनों को चरणबद्ध तरीके से इलेक्ट्रिक वाहनों में परिवर्तित करने हेतु आवश्यक कार्यवाही की जाए।

वाहनों के उपयोग एवं ईंधन में मितव्ययिता: शासकीय वाहनों के उपयोग में पेट्रोल , डीजल के व्यय को न्यूनतम स्तर पर रखा जाए।एक ही गंतव्य की ओर जाने वाले विभागों के अधिकारियों के लिए वाहन पूलिंग की व्यवस्था लागू की जाए।

विदेश यात्रा पर प्रतिबंध: अत्यंत अपरिहार्य परिस्थितियों को छोड़कर, राज्य शासन के व्यय पर शासकीय सेवकों के विदेश यात्राओं पर पूर्णत: प्रतिबंध रहेगा। अनिवार्य होने पर समन्वय में मुख्यमंत्री का पूर्वानुमोदन आवश्यक होगा।

वर्चुअल बैठकों एवं ऑनलाइन समीक्षा को प्रोत्साहन: विभागों को निर्देशित किया जाता है कि भौतिक बैठक यथासंभव माह में एक बार ही आयोजित की जाए। भौतिक रूप से बैठकों के आयोजन के स्थान पर वर्चुअल, ऑनलाइन मोड में होने वाली बैठकों को प्रोत्साहित किया जाए। विभागों की नियमित समीक्षा बैठकें अनिवार्य रूप से वीडियो कॉन्फ्रेंसेसिंग के माध्यम से आयोजित की जाएं।

नीदरलैंड में बोले पीएम मोदी, भारत अवसरों की भूमि भारतीय समुदाय से निवेश और सहयोग का किया आह्वान

हेग। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 21 वीं सदी के भारत को अवसरों की भूमि बताते हुए नीदरलैंड में भारतीय समुदाय से भारत में निवेश तथा सहयोग बढाने का आह्वान किया और विश्वास जताया कि विकसित भारत की यात्रा में वैश्विक भारतीय समुदाय की बड़ी भूमिका होगी। पांच देशों की यात्रा के दूसरे चरण में दो दिन की यात्रा पर शुक्रवार रात यहां पहुंचे मोदी ने शनिवार को भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात की । भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए उन्होंने उन लोगों को दोनों देशों के संबंधों की असली ताकत तथा जीवंत सेतु करार दिया और कहा कि सरकार ने सूरीनामी हिंदुस्तानी समाज के लिए ओसीआई कार्ड पात्रता चौथी पीढ़ी से बढ़ाकर छठी पीढ़ी तक कर दी है। मोदी ने आर्थिक, प्रौद्योगिकी क्षेत्र और लोकतांत्रिक उपलब्धियों को रेखांकित किया तथा उन लोगों से भारत-नीदरलैंड संबंधों को नई ऊंचाई देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत असीम आकांक्षाओं और असीम प्रयासों के साथ दुनिया की अग्रणी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि नीदरलैंड के नेताओं ने हमेशा भारतीय प्रवासी समुदाय की प्रशंसा की है और यहां रह रहे भारतीय डच समाज के लोग अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने भारतीय प्रवासियों की सांस्कृतिक जड़ों की सराहना करते हुए कहा कि पीढ़ियां बदलने और देशों की सीमाएं बदलने के बावजूद भारतीयों ने अपनी भाषा, संस्कृति, त्योहार और परंपराओं को जीवित रखा है। उन्होंने कहा कि भारतीय समुदाय केवल प्रवास की कहानी नहीं बल्कि संघर्ष, संस्कृति और प्रगति की जीवंत मिसाल है।

अरुण देव गौतम बने छत्तीसगढ़ के पूर्णकालिक पुलिस महानिदेशक

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने आखिरकार राज्य के लिए पूर्णकालिक पुलिस महानिदेशक के नाम की घोषणा कर दी। 16 मई को छत्तीसगढ़ के गृह विभाग द्वारा जारी किए गए आदेश में, 1992 बैच के भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी अरुण देव गौतम को पुलिस महानिदेशक बनाया गया है। इससे पहले अरुण देव गौतम प्रभारी पुलिस महानिदेशक के तौर पर छत्तीसगढ़ का काम-काज देख रहे थे। छत्तीसगढ़ के नए डीजीपी अरुण देव गौतम बनाए गए हैं जो पूर्णकालिक पुलिस महानिदेशक होंगे। हालांकि अरुण देव गौतम ही छत्तीसगढ़ के पुलिस महानिदेशक का काम देख रहे हैं, लेकिन वह पूर्णकालिक डीजीपी के तौर पर नहीं नियुक्त किए गए थे। अरुण देव गौतम पिछले 14 महीने से छत्तीसगढ़ के प्रभारी डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस के तौर पर काम देख रहे थे और उसके बाद से लगातार छत्तीसगढ़ में नए डीजीपी कौन होगा, इसकी चर्चा भी खूब हो रही थी। इस बात को लेकर के चल रही भारतीय जनता पार्टी की सरकार की काफी किरकिरी भी होती थी। आलोचना में ये कहा जाता था कि सरकार एक पूर्ण कई पुलिस महानिदेशक नहीं दे पा रही है।

माओवादी संगठन को बड़ा झटका

केंद्रीय समिति के सदस्य नरहरि ने पत्नी संग किया सरेंडर

- 20 लाख घोषित था इनामी

जगदलपुर। माओवादी संगठन को फिर एक बार बड़ा झटका लगा है। केंद्रीय समिति के सदस्य और 20 लाख रुपये के इनामी माओवादी पसुनूरी नरहरि ने आत्मसमर्पण कर दिया है। बताया जा रहा है कि नरहरि, जिसे संतोष के नाम से भी जाना जाता है, तेलंगाना के हनमकोंडा का रहने वाला है। वह लंबे समय से झारखंड में माओवादियों की गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभा रहा था। नरहरि की पकड़ संगठन में काफी मजबूत मानी जाती थी। वह बिहार-झारखंड स्पेशल एरिया कमेटी और पूर्वी क्षेत्रीय ब्यूरो में अहम जिम्मेदारियां संभाल चुका है। आत्मसमर्पण की बड़ी वजह उसका लगातार खराब होता स्वास्थ्य बताया जा रहा है। इसी के चलते उसने तेलंगाना पुलिस के सामने सरेंडर करने का फैसला लिया। खास बात यह है कि नरहरि ने अकेले नहीं बल्कि अपनी पत्नी जोबा उर्फ पूनम के साथ आत्मसमर्पण किया है, जो खुद क्षेत्रीय समिति की सदस्य बताई जा रही है। पुलिस के लिए इसे बड़ी सफलता माना जा रहा है, क्योंकि नरहरि लंबे समय से सुरक्षा एजेंसियों की रडार पर था। महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में 15 इनामी नक्सलियों ने डाले हथियार वहीं बुधवार को महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में 15 इनामी नक्सलियों ने हथियार डालकर मुख्यधारा में लौटने का फैसला किया। अधिकारियों के मुताबिक, गढ़चिरौली जिले में 11 और कांकेर में चार नक्सलियों ने पुलिस महानिदेशक और पुलिस अधीक्षक के समक्ष सरेंडर कर दिया।

ट्रंप के बाद रूसी राष्ट्रपति का चीन दौरा फिक्स

- दो सबसे शक्तिशाली देशों के बीच द्विपक्षीय वार्ता संभव

चीन। दुनिया के दो सबसे शक्तिशाली देशों के बीच कूटनीतिक गठजोड़ और मजबूत होने जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तीन दिवसीय चीन यात्रा खत्म होने के तुरंत बाद, अब रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन चीन का आधिकारिक दौरा करने वाले हैं। क्रेमलिन और चीनी विदेश मंत्रालय ने शनिवार को इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि राष्ट्रपति पुतिन 19 और 20 मई को चीन की यात्रा पर रहेंगे।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चीन दौरे के तुरंत बाद रूस ने ऐलान किया है कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन जल्द ही चीन जाएंगे. क्रेमलिन ने कहा कि यात्रा की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं.अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीजिंग दौरे के तुरंत बाद रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 19-20 मई को चीन की आधिकारिक यात्रा पर जा रहे हैं। क्रेमलिन द्वारा जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, राष्ट्रपति पुतिन अपनी इस यात्रा के दौरान चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे।इस बैठक का मुख्य उद्देश्य मॉस्को और बीजिंग के बीच 'व्यापक साझेदारी और रणनीतिक सहयोग को और अधिक मजबूत करना' है। दोनों शीर्ष नेता कई 'प्रमुख अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों' पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। बातचीत के अंत में दोनों देशों के बीच एक साझा घोषणापत्र पर भी हस्ताक्षर किए जाएंगे।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने उठाया बड़ा कदम

पंचायतों में कम होगा सरपंच पतियों का दखल

रायपुर। पंचायती राज व्यवस्था में निर्वाचित महिला जनप्रतिनिधियों की वास्तविक भागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने बड़ा कदम उठाया है। विभाग ने स्पष्ट निर्देश जारी किया है कि पंचायतों में महिलाओं के लिए आरक्षण का उद्देश्य केवल औपचारिक प्रतिनिधित्व नहीं बल्कि उन्हें निर्णय प्रक्रिया का स्वतंत्र और प्रभावी हिस्सा बनाना है।

जारी निर्देश के अनुसार, अब ग्राम पंचायत, जनपद एवं अन्य पंचायत बैठकों में निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों की उपस्थिति अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाएगी। किसी भी रिश्तेदार, प्रतिनिधि या अन्य व्यक्ति को उनके स्थान पर बैठक में भाग लेने की अनुमति नहीं होगी। आवश्यकता पड़ने पर फेस रिकॉग्निशन और बायोमीट्रिक अटेंडेंस जैसी तकनीकों का उपयोग कर उपस्थिति सत्यापित की जाएगी। विभाग ने पंचायत बैठकों और ग्राम सभाओं की कार्रवाई को सभासार पोर्टल, निर्णय ऐप तथा अन्य अधिकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर नियमित रूप से अपलोड करने के निर्देश दिए हैं, ताकि कार्यप्रणाली में पारदर्शिता बनी रहे और महिला प्रतिनिधियों की सक्रिय भूमिका दर्ज हो सके। प्रशासन का मानना है कि डिजिटल निगरानी से प्रॉक्सी प्रतिनिधित्व पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकेगा। महिला जनप्रतिनिधियों को प्रशासनिक और सामाजिक रूप से अधिक सक्षम बनाने के लिए जिले में जेंडर सेंसिटाइजेशन कार्यक्रम, नेतृत्व प्रशिक्षण और जागरूकता शिविर आयोजित किए जाएंगे।

पंचायतों में प्रभावी कार्य करने वाली महिला प्रतिनिधियों की सफलता की कहानियों को सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यमों से प्रचारित करने की भी योजना बनाई गई है, ताकि अन्य महिलाओं को प्रेरणा मिल सके। पेसा क्षेत्र की पंचायतों में ग्राम सभा से पूर्व महिला सभा आयोजित करना अनिवार्य किया गया है, वहीं सामान्य क्षेत्रों में भी महिला प्रतिनिधियों को स्वतंत्र रूप से अपनी बात रखने के लिए महिला सभाओं के आयोजन के लिये प्रोत्साहित किया जाएगा।इसे पंचायतों में महिलाओं की सहभागिता बढ़ाने की महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। विभाग ने जिला, जनपद एवं ग्राम पंचायत स्तर पर प्रॉक्सी प्रतिनिधित्व से संबंधित शिकायतों के लिए शिकायत पेटी और प्रभावी शिकायत निवारण तंत्र विकसित करने के निर्देश दिए हैं।

गरियाबंद में हीरा तस्करी, लाखों रुपए के हीरे के साथ 3 तस्कर गिरफ्तार

गरियाबंद। गरियाबंद जिले की मैनपुर पुलिस ने एक बार फिर हीरा तस्करों को पकड़ने में बड़ी सफलता हासिल की है। सिकासेर मोड़ के पास हीरा तस्कर ग्राहक की तलाश कर रहे थे। जिन्हें पुलिस ने घेराबंदी कर गिरफ्तार किया। लंबे समय बाद मैनपुर क्षेत्र के स्थानीय लोग हीरा तस्करी के आरोप में पकड़े गए हैं। गरियाबंद एडिशनल एसपी धीरेंद्र पटेल ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ लोग हीरे बेचने के लिए ग्राहकों की तलाश कर रहे हैं। इस आधार पर एक्शन प्लान बनाया गया और तीन आरोपियों को पकड़ा गया। तलाशी लेने पर उनके पास 9 हीरे मिले, जिनकी कुल कीमत साढ़े चार लाख रुपए के करीब है। जोहरी से जांच कराने पर अनुमानिक कीमत साढ़े 4 लाख रुपये बताई गई। पकड़े गए तीन तस्करों में एक महिला भी है। सभी को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

सोशल मीडिया पर सवाल उठाना पड़ा भारी, NHM के MD मेडिसिन डॉक्टर को हटाने पर मचा घमासान

डॉक्टर बोले – सरकार का विरोध नहीं, मरीजों की पीड़ा रखी थी सामने

जिले का इकलौता MD मेडिसिन डॉक्टर बाहर, मरीजों की सेहत दांव पर

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (ह्यारू) के अंतर्गत जिला अस्पताल में संविदा पद पर पदस्थ स्छ्र मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. लोकेंद्र कश्यप को पद से हटाए जाने के बाद जिले में स्वास्थ्य व्यवस्था और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। डॉ. कश्यप ने आरोप लगाया है कि उन्हें स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी जमीनी सच्चाइयों को सोशल मीडिया पर उठाने की सजा दी गई है, जबकि उनके खिलाफ न तो कोई निष्पक्ष जांच हुई और न ही उनका पक्ष गंभीरता से सुना गया।डॉ. कश्यप के अनुसार, करीब एक सप्ताह पूर्व उन्हें व्हाट्सऐप के माध्यम से नोटिस भेजकर उनके फेसबुक पोस्ट पर स्पष्टीकरण मांगा गया था। उन्होंने अपने जवाब में स्पष्ट किया था कि उनके पोस्ट किसी सरकार या शासन के विरोध में नहीं थे, बल्कि जिला अस्पताल और प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था में मौजूद गंभीर खामियों की ओर ध्यान दिलाने का प्रयास थे।पहला मामलाः एक महिला मरीज को हार्ट अटैक के बाद एंजियोप्लास्टी की जरूरत थी। परिजनों ने जब अलग-अलग अस्पतालों से संपर्क किया तो इलाज के बदले अतिरिक्त पैसों की मांग की गई। इस पीड़ा को उन्होंने पोस्ट के जरिए सरकार के संज्ञान में लाने की कोशिश की।दूसरा मामलाः एक धार्मिक व्यक्ति द्वारा जनसंख्या बढ़ाने संबंधी बयान पर उन्होंने अपनी राय रखी और लिखा कि जब आज भी स्वास्थ्य सेवाओं में बुनियादी सुविधाओं का अभाव है, तब अनियंत्रित जनसंख्या वृद्धि से हालात और बिगड़ेंगे।तीसरा मामलाः उन्होंने जिला अस्पताल में दवाइयों की भारी कमी, मरीजों को बाहर से दवाइयां खरीदने की मजबूरी और फंड संकट का मुद्दा उठाया। उनका दावा है कि इस संबंध में अस्पताल प्रशासन का आधिकारिक पत्र कई महीनों से अस्पताल परिसर में लगा हुआ है।डॉ. कश्यप का कहना है कि उन्होंने अपने जवाब की प्रतिलिपि रायपुर स्थित ह्यारू कार्यालय और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को भी सौंपी थी। इसके बावजूद उन्हें ÷गंभीर कदाचार÷ और ÷सरकार विरोधी पोस्ट÷ का हवाला देते हुए सेवा से हटा दिया गया।सूत्रों के मुताबिक, डॉ. लोकेंद्र कश्यप जांजगीर-चांपा जिले में ह्यारू के अंतर्गत कार्यरत एकमात्र स्छ्र मेडिसिन विशेषज्ञ थे। उनकी ओपीडी में प्रतिदिन 140 से 150 मरीज आते थे और करीब 60 भर्ती मरीजों का राउंड भी वे नियमित रूप से लेते थे। इसके अलावा वे दिव्यांग प्रमाण पत्र निर्माण और अमरनाथ यात्रा के लिए मेडिकल ऑफिसर की जिम्मेदारी भी निभा चुके हैं।डॉ. कश्यप बताते हैं कि पिछले वर्ष उन्हें उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया था और उनकी वार्षिक कार्य मूल्यांकन रिपोर्ट (क्ष्क्ष्) भी उत्कृष्ट रही है।सूत्रों का दावा है कि कुछ स्थानीय राजनीतिक व्यक्तियों के दबाव में यह कार्रवाई की गई, हालांकि इस संबंध में अब तक प्रशासन या स्वास्थ्य विभाग की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

भाजपा सरकार में जनता को मिल रहा त्वरित समाधान, कांग्रेस सिर्फ राजनीति कर रही – शकुंतला कश्यप

जगदलपुर/मूक पत्रिका

जिला पंचायत सदस्य शकुंतला कश्यप ने युवा कांग्रेस नेता हेमंत कश्यप के जारी बयान सुशासन तिहार को लेकर पलटवार करते हुए कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि बस्तर विधानसभा में पिछले 16-17 वर्षों से कांग्रेस के विधायक काबिज हैं, लेकिन विकास के नाम पर सिर्फ खोखले दावे और फोटो सेशन हुए हैं। अब जब भाजपा सरकार जनता की समस्याओं का धरातल पर समाधान कर रही है, तो कांग्रेस नेताओं को यह हजम नहीं हो रहा।शकुंतला कश्यप ने कहा कि कांग्रेस के कार्यकाल में ग्रामीणों को एक साधारण आवेदन के लिए भी कई-कई दिनों तक दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते थे। राशन कार्ड, वृद्धा पेंशन, आवास, सड़क, बिजली, पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए लोग सालों भटकते रहे, लेकिन सुनवाई नहीं हुई। विकास का पैसा कहां गया, इसका कोई हिसाब-किताब नहीं था। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनते ही स्थिति बदली है। माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व और माननीय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार सीधे जनता से जुड़कर काम कर रही है। सुशासन तिहार इसका जीवंत उदाहरण है, जहां अधिकारी गांव-गांव जाकर लोगों की समस्याएं सुन रहे हैं और उनका त्वरित निराकरण हो रहा है। ÷पहले फाइलों में दबे आवेदन और अब जमीन पर दिखने वाले काम ङ्क यही अंतर है कांग्रेस और भाजपा की कार्यशैली में,÷ शकुंतला कश्यप ने कहा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार पारदर्शिता और जवाबदेही पर काम कर रही है। जिपं सदस्य ने कहा कि जनता अब जागरूक है और उसे जमीन पर बदलाव दिख रहा है। यही कारण है कि कांग्रेस नेता बौखलाकर निराधार आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा का लक्ष्य सिर्फ प्रचार नहीं, बल्कि हर गांव तक विकास पहुंचाना है।

ट्रक चालक से लूटपाट की कोशिश, मारपीट व तोड़फोड़ मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला बेमेतरा के छत्तीसगढ़ पुलिस अंतर्गत थाना खम्हरिया पुलिस ने ट्रक चालक के साथ मारपीट, धमकी और तोड़फोड़ करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों पर लूटपाट की नीयत से हमला करने और ट्रक के शीशे तोड़कर नुकसान पहुंचाने का आरोप है। पुलिस के अनुसार प्रार्थी राजकरन पाल (45 वर्ष), निवासी सीतापुर चित्रकूट (उत्तरप्रदेश), 14 मई 2026 को ट्रक क्रमांक स्ञ 18 क्ञ्ल 2246 में शक्कर लोड कर थानखम्हरिया पहुंचे थे। रात में मजदूर नहीं मिलने के कारण उन्होंने ट्रक को सिल्हाटी चौक के पास खड़ा कर वहीं विश्राम किया। देर रात करीब 11:30 बजे दो युवक वहां पहुंचे और ट्रक के सामने व साइड ग्लास में तोड़फोड़ शुरू कर दी। आरोप है कि दोनों युवकों ने डंडा अंदर डालकर चालक को धक्का दिया तथा अश्लील गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देकर रुपए की मांग की। विरोध करने पर आरोपियों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिससे चालक के सिर, छाती और हाथ में चोटें आईं। घटना के दौरान स्थानीय युवकों ने बीच-बचाव किया। हमले में ट्रक के शीशे टूटने से करीब 60 हजार रुपए का नुकसान बताया गया है।प्रकरण में थाना खम्हरिया पुलिस ने अपराध क्रमांक दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता (क्ञ्हस्) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला कायम कर विवेचना शुरू की। मामले की सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई, जिसके बाद पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश कुमार यादव एवं एसडीओपी भूषण एक्का के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी एवं पुलिस टीम ने कार्रवाई की। विवेचना के दौरान पुलिस ने आरोपी शेषनारायण मिश्रा उर्फ सुल्लु (23 वर्ष) निवासी वार्ड क्रमांक 03 थानखम्हरिया तथा मिथलेश पाल उर्फ मिट्ठु पाल (19 वर्ष) निवासी वार्ड क्रमांक 15 थानखम्हरिया को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें दोनों ने अपराध स्वीकार कर लिया।

पुलिस ने दोनों आरोपियों को 15 मई 2026 को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर न्यायालय में प्रस्तुत किया।पूरी कार्रवाई में उप निरीक्षक ओंकार प्रसाद साहू, प्रधान आरक्षक अजय कुमार लहरे, आरक्षक बलदेव निषाद, अशरफी खान, मुकेश चंद्रवंशी, लोकेश्वर साहू सहित थाना खम्हरिया पुलिस स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

वट सावित्री व्रतः अखंड सौभाग्य, प्रेम और पतिव्रता धर्म का प्रतीक – पंडित श्रीनिवास द्विवेदी

बेमेतरा/मूक पत्रिका

हिंदू धर्म में सुहागिन महिलाओं के प्रमुख पर्वों में शामिल वट सावित्री व्रत इस वर्ष श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया गया। ज्येष्ठ मास की अमावस्या को रखा जाने वाला यह व्रत अखंड सौभाग्य, पति की दीर्घायु और सुखद वैवाहिक जीवन का प्रतीक माना जाता है। इस अवसर पर पंडित श्रीनिवास द्विवेदी ने कहा कि वट सावित्री व्रत प्रेम, त्याग, निष्ठा और पतिव्रता धर्म की अद्भुत मिसाल है।उन्होंने बताया कि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इसी दिन माता सावित्री ने अपने अटूट संकल्प, बुद्धिमत्ता और पतिव्रत धर्म के बल पर मृत्यु के देवता यमराज को भी झुकने पर मजबूर कर दिया था। सावित्री ने अपने पति सत्यवान के प्राण यमराज से वापस प्राप्त कर लिए थे। इसी कारण यह व्रत सुहागिन महिलाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है।पंडित द्विवेदी ने कहा कि इस व्रत में वट अर्थात बरगद के वृक्ष की पूजा की जाती है, जिसे दीर्घायु और अमरत्व का प्रतीक माना जाता है। महिलाएं वट वृक्ष की परिक्रमा कर अपने पति की लंबी आयु और परिवार के सुख-समृद्धि की कामना करती हैं। उन्होंने बताया कि सावित्री-सत्यवान की कथा सुने बिना यह व्रत अधूरा माना जाता है।

सावित्री और सत्यवान की प्रेरणादायी कथा–पौराणिक कथा के अनुसार मद्र देश के राजा अश्वपति ने संतान प्राप्ति के लिए देवी सावित्री की कठोर तपस्या की थी, जिसके फलस्वरूप उन्हें पुत्री रत्न की प्राप्ति हुई। देवी के नाम पर ही कन्या का नाम सावित्री रखा गया। विवाह योग्य होने पर सावित्री ने निर्वासित राजा द्युमत्सेन के पुत्र सत्यवान को अपना पति चुना। उसी समय देवर्षि नारद ने भविष्यवाणी की कि सत्यवान अल्पायु हैं और विवाह के एक वर्ष बाद उनकी मृत्यु हो जाएगी। इसके बावजूद सावित्री अपने निर्णय पर अडिग रहीं और सत्यवान से विवाह किया।विवाह के बाद सावित्री अपने पति तथा दृष्टिहीन सास-ससुर की सेवा में लग गईं। नियत समय निकट आने पर उन्होंने कठोर व्रत और तपस्या शुरू कर दी। जब यमराज सत्यवान के प्राण लेने पहुंचे तो सावित्री भी उनके पीछे चल पड़ीं। उनकी अटूट निष्ठा और धर्मपालन से प्रसन्न होकर यमराज ने उन्हें वरदान मांगने को कहा।सावित्री ने पहले वरदान में अपने सास-ससुर की आंखों की रोशनी और दीर्घायु मांगी। दूसरे वरदान में अपने ससुर का खोया हुआ राज्य वापस दिलाने की प्रार्थना की। अंत में उन्होंने सौ पुत्रों की माता बनने का वरदान मांगा। पतिव्रता धर्म के कारण यमराज को विवश होकर सत्यवान के प्राण लौटाने पड़े। इस प्रकार सावित्री ने अपने विवेक और समर्पण से अपने पति को मृत्यु के मुख से वापस लाकर पतिव्रता धर्म की अमर मिसाल कायम की।

जंगल मे मिली ग्रामीण की लाश .. हाथी के हमले से मौत

धरमजयगढ़/मूक पत्रिका

धरमजयगढ़ वनमंडल के कापू वनपरिक्षेत्र अंतर्गत आलोला बीट से एक बेहद दुःखद और हृदय विदारक घटना सामने आई है, जहां जंगल गए एक ग्रामीण की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटनास्थल की स्थिति और शव के हालात को देखकर ग्रामीण हाथी के हमले की आशंका जता रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार आलोला गांव निवासी कार्तिक राम बंजारा शुक्रवार सुबह लगभग 7 बजे तेंदूपत्ता तोड़ने गांव से लगे जंगल की ओर निकला था। रोजमर्रा की तरह वह जंगल तो गया, लेकिन शाम ढलने तक वापस घर नहीं लौटा। समय बीतने के साथ परिजनों की चिंता बढ़ने लगी, जिसके बाद गांव के लोगों के साथ उसकी तलाश शुरू की गई। वहीं पूरी रात बेचैनी और आशंका के बीच खोजबीन चलती रही। आखिरकार शनिवार को जंगल के भीतर कार्तिक राम का शव बरामद हुआ। जंगल की लाश मिलने की खबर से क्षेत्र मे सनसनी मच गई। देखते देखते परिजनों के साथ ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों ने जब घटनास्थल देखा तो वहां के हालात भयावह थे। शव की स्थिति देखकर आशंका जताई जा रही है कि किसी जंगली हाथी ने उसे रौंद दिया, जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।वहीं घटना की सूचना मिलते ही कापू वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जांच कार्रवाई प्रारंभ कर दी। वन विभाग के अधिकारी घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की बारीकी से पड़ताल कर रहे हैं। फिलहाल मौत के वास्तविक कारणों का स्पष्ट खुलासा पुलिस और वन विभाग के जाँच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगा। इस घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत और शोक का माहौल व्याप्त है।

गदिन के उछाले और रात के अंधेरे में दौड़ रहे हैं रेत से भरी ट्रैक्टर

बकावंड में फिर सक्रिय हो गए रेत माफिया, रोज सौ ट्रिप रेत की निकासी*

प्रशासन को खुली चुनौती दे रहे हैं रेत तस्कर, लाखों के राजस्व की क्षति

बकावंड/मूक पत्रिका

पवन कुमार नाग - बस्तर जिले के बकावंड ब्लॉक की ग्राम पंचायत बनियागांव आश्रित ग्राम बेलगांव में फिर धड़ल्ले से रेत खनन और परिवहन का खेल खुलेआम शुरू हो गया है। प्रशासन को रेत माफिया खुली चुनौती देते नजर आ रहे हैं। बकावंड ब्लॉक की ग्राम पंचायत बानियागांव के आश्रित ग्राम बेलगांव में रेत माफिया द्वारा अवैध रेत खनन का सिलसिला जारी है। आरोप है कि बिना किसी वैध अनुमति और रॉयल्टी के नदी-नालों से रेत का उत्खनन कर ट्रैक्टरों के जरिए बड़ी मात्रा से परिवहन किया जा रहा है।प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों से ये रेत माफिया भारी भरकम राशि लेकर रेत उपलब्ध करा रहे हैं। बिना पिट पास और रायल्टी अदा किए 700 रूपए में एक ट्रॉली रेत बेच रहे हैं। वहीं मजदूरों को एक ट्रॉली रेत भराई की मजदूरी 300 रूपए ये लोग देते हैं।स्थानीय लोगों के अनुसार, रेत माफियाओं द्वारा ट्रैक्टर चालकों और ग्रामीणों से 1 हजार रुपए प्रति ट्रिप की दर से जबरन वसूली की जा रही है। प्रतिदिन 100 से अधिक ट्रैक्टर ट्रॉली रेत की अवैध निकासी इन दोनों गांवों की नदियों से की जा रही है। इससे शासन को रॉयल्टी के रूप में लाखों रुपयों के राजस्व का नुकसान हो रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि रेत माफिया प्रशासन को खुली चुनौती दे रहे हैं। बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले ही कलेक्टर द्वारा अवैध खनन वाले स्थानों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश जारी किए गए थे, लेकिन जमीनी स्तर पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि मौके का तत्काल निरीक्षण कराकर अवैध खनन पर रोक लगाई जाए और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए।

महंगाई की मार से जनता बेहाल, सरकार अपनी नाकामी छिपाने में व्यस्त : लखेश्वर बघेल

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ विधानसभा के उपनेता प्रतिपक्ष एवं बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल ने केंद्र सरकार की नीतियों पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि आज देश गंभीर आर्थिक संकट और महंगाई की मार झेल रहा है यदि केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियां मजबूत होतीं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर रणनीति अपनाई गई होती, तो देशवासियों को आज इस स्थिति का सामना नहीं करना पड़ताश्री बघेल ने कहा कि आज आम जनता एलपीजी गैस की बढ़ती कीमतों से परेशान है, वहीं पेट्रोल-डीजल की कीमतों ने लोगों की कमर तोड़ दी है आम नागरिक अपने दैनिक जीवन की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रहा है, लेकिन केंद्र सरकार जनता को राहत देने के बजाय केवल दिखावटी फैसले लेने में व्यस्त है बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल ने कहा कि सरकार के मंत्री अपनी सुरक्षा में कटौती कर ईंधन बचाने का दिखावा कर रहे हैं, जबकि प्रधानमंत्री के दौरे के दौरान बड़ी संख्या में वाहनों का लंबा काफिला निकलता है, जिसमें भारी मात्रा में ईंधन खर्च होता है जब सरकार स्वयं अपने नियमों का पालन नहीं करती, तब जनता पर बोझ डालना उचित नहीं है। श्री बघेल ने नोटबंदी का जिक्र करते हुए कहा कि उस फैसले से भी आम जनता को कोई विशेष लाभ नहीं मिला, बल्कि लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा कोविड-19 महामारी के दौरान भी आम नागरिकों को अनेक कठिनाइयों से गुजरना पड़ा, लेकिन सरकार ने अपनी विफलताओं को छिपाने का प्रयास किया बस्तर विधायक ने कहा कि देश में लगातार बढ़ती बेरोजगारी युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है बार-बार हो रहे पेपर लीक के मामलों ने मेहनत करने वाले युवाओं की उम्मीदों को तोड़ा है वहीं अपराध की बढ़ती घटनाएं सरकार की कानून व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर रही हैं श्री बघेल ने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी, पेपर लीक और अपराध जैसे गंभीर मुद्दों पर सरकार पूरी तरह असफल साबित हुई है। जनता अब सरकार की नीतियों को समझ चुकी है और आने वाले समय में इसका जवाब जरूर देगी। बस्तर विधायक श्री लखेश्वर बघेल ने कहा कि केंद्र सरकार को जनता की वास्तविक समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए और महंगाई से राहत देने के लिए ठोस कदम उठाये

ग्राम कोसला में महतारी सदन एवं हायर सेकेंडरी स्कूल भवन निर्माण की घोषणा

गांव की चौपाल में दिखी मुख्यमंत्री की सादगी और संवेदनशीलता, पीपल के पेड़ तले खाट पर बैठकर ग्रामीणों से किया सीधा संवाद

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

सुशासन तिहार के अंतर्गत मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज जांजगीर-चांपा जिले के पामगढ़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम कोसला का औचक निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री श्री साय के गांव पहुंचते ही पूरे क्षेत्र में उत्साह का वातावरण बन गया। मुख्यमंत्री श्री साय का बेहद सहज, आत्मीय और सादगीपूर्ण स्वरूप उस समय देखने को मिला, जब वे बिना किसी औपचारिकता के गांव के पीपल पेड़ की छांव तले आयोजित चौपाल में ग्रामीणों के बीच खाट पर बैठकर उनसे सीधे संवाद करने लगे। यह दृश्य ग्रामीणों के लिए यादगार बन गया और चौपाल आत्मीय संवाद तथा संवेदनशील शासन की मिसाल बन गई। मुख्यमंत्री श्री साय ने चौपाल में ग्रामीणों, महिलाओं और किसानों से सीधे चर्चा करते हुए शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली। उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुशासन तिहार का उद्देश्य शासन और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित करना तथा योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार लगातार महिलाओं, किसानों, गरीबों और जरूरतमंद परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए कार्य कर रही है। ग्रामीणों से चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से पूछा, ÷पटवारी नियमित रूप से गांव आते हैं या नहीं?÷ ग्रामीणों द्वारा सकारात्मक जवाब दिए जाने पर मुख्यमंत्री ने गांव के पटवारी श्री शत्रुघन कुर्रे को निर्देशित किया कि ग्रामीणों और किसानों की समस्याओं का तत्परता से निराकरण सुनिश्चित करें, ताकि लोगों को छोटे-छोटे कार्यों के लिए भटकना न पड़े। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि आम नागरिकों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए।चौपाल के दौरान ग्राम कोसला की श्रीमती सावित्री कश्यप ने मुख्यमंत्री को बताया कि उन्हें महतारी वंदन योजना के तहत हर महीने नियमित रूप से सहायता राशि प्राप्त हो रही है। उन्होंने कहा कि इस योजना से परिवार की छोटी-बड़ी जरूरतें पूरी करने में काफी मदद मिल रही है और आर्थिक आत्मनिर्भरता बढ़ी है। मुख्यमंत्री ने महिलाओं से आत्मीय चर्चा करते हुए कहा कि महतारी वंदन योजना प्रदेश की लाखों महिलाओं के लिए आर्थिक संबल बन रही है। इसी दौरान ग्राम की ÷लखपति दीदी÷ श्रीमती नीमा तिवारी ने मुख्यमंत्री को बताया कि बिहान योजना से जुड़ने के बाद उन्हें शुरुआत में 15 हजार रुपये की आर्थिक सहायता मिली। इसके बाद उन्होंने आटा चक्की का व्यवसाय शुरू किया और आज उनके पास पांच आटा चक्कियां संचालित हो रही हैं। मुख्यमंत्री ने उनकी सफलता की सराहना करते हुए कहा कि वे गांव की अन्य महिलाओं को भी स्व-सहायता समूहों से जोड़कर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करें।मुख्यमंत्री ने गांव में प्रधानमंत्री आवास योजना के क्रियान्वयन की भी जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि विगत ढाई वर्षों में ग्राम कोसला में 474 परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना की स्वीकृति प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आवास प्लस सर्वेक्षण के माध्यम से छूटे हुए सभी पात्र हितग्राहियों को भी योजना का लाभ दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार बनने के बाद सबसे पहले 18 लाख प्रधानमंत्री आवासों की स्वीकृति प्रदान की गई थी और अब हजारों परिवारों का पक्के घर का सपना साकार हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने जन चौपाल के दौरान ग्रामीणों की मांगों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कीं। महिलाओं की सुविधा और सशक्तिकरण को ध्यान में रखते हुए उन्होंने ग्राम कोसला में ÷महतारी सदन÷ निर्माण की घोषणा की। साथ ही क्षेत्र में बेहतर शैक्षणिक सुविधाओं की आवश्यकता को देखते हुए हायर सेकेंडरी स्कूल भवन निर्माण की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री की इन घोषणाओं से ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं और विद्यार्थियों में उत्साह का वातावरण देखने को मिला। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के हित में लगातार कार्य कर रही है और किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी की जा रही है, जिससे उन्हें उनकी उपज का बेहतर मूल्य मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार के माध्यम से जनप्रतिनिधि और अधिकारी गांव-गांव पहुंचकर लोगों की समस्याओं का समाधान कर रहे हैं और शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

मोदी सरकार की नीतियों से बढ़ी महंगाई, किसान और आम जनता त्रस्त : नोबेल वर्मा

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव संपन्न होने के बाद देश की जनता महंगाई की दोहरी मार झेल रही है। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा आयोजित पत्रकार वार्ता में मुख्य वक्ता पूर्व मंत्री नोबेल वर्मा ने केंद्र की मोदी सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सरकार की गलत विदेश और आर्थिक नीतियों के कारण आज देश की जनता महंगाई से कराह रही है। पूर्व मंत्री नोबेल वर्मा ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दबाव में भारत ने अपने ऐतिहासिक मित्र देशों रूस और ईरान से सस्ता कच्चा तेल खरीदना बंद कर दिया। इसके चलते अब भारत को महंगे और लंबी दूरी से आने वाले क्रूड ऑयल पर निर्भर होना पड़ रहा है, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ा है और पेट्रोल-डीजल सहित रोजमर्रा की वस्तुएं महंगी हो गई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार की नीतियों से देश की अर्थव्यवस्था रसातल में जा रही है, जिसका खामियाजा आम जनता भुगत रही है। पत्रकार वार्ता में विधायक व्यास कश्यप ने कृषि और उर्वरक नीति को लेकर केंद्र सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की नीतियां पूरी तरह किसान विरोधी हैं। सरकार द्वारा खरीफ फसलों में उर्वरक के कम उपयोग की अपील और उर्वरक संकट किसानों की कमर तोड़ रहा है। आधा मई माह बीत जाने के बाद भी सेवा सहकारी समितियों में यूरिया और डीएपी उपलब्ध नहीं है, जबकि निजी दुकानों में यह खाद दोगुने-तिगुने दामों पर बेची जा रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार का असली उद्देश्य किसानों की जमीन उद्योगपति मित्रों को सौंपना है, जिसका उदाहरण तीन काले कृषि कानून रहे हैं।

इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष राजेश अग्रवाल ने करही गोलीकांड में अब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने पुलिस प्रशासन पर निष्क्रियता का आरोप लगाते हुए चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो कांग्रेस आगामी 20 मई को इस मुद्दे सहित अन्य जनसमस्याओं को लेकर उग्र आंदोलन करेगी। पत्रकार वार्ता में प्रदेश कांग्रेस सचिव गिरधारी यादव, जिला उपाध्यक्ष रमेश पैगवार, भगवान दास गढ़ेवाल, रफीक सिद्दीकी, सेवादल जिलाध्यक्ष देव कुमार पाण्डेय, संगठन महामंत्री शिशिर द्विवेदी, नगर कांग्रेस अध्यक्ष रामविलास राठौर, राकेश गबेल, छात्र नेता आकाश तिवारी, जितेंद्र दिनकर, महेंद्र कश्यप, निर्मला बरेठ सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

हज यात्रियों का सम्मान, मंगलमय यात्रा की कामना

चांपा/मूक पत्रिका

नगर के मुस्लिम समाज से हज यात्रा पर रवाना हुए श्रद्धालुओं के सम्मान में एक गरिमामय कार्यक्रम आयोजित किया गया। हज यात्रा पर जा रहे अब्दुल अजीज अशरफी, मो. सरफराज मेमन, मो. जुबेर मेमन और मो. अमीन मेमन परिवार सहित हज के लिए रवाना हुए हैं। इस अवसर पर मस्जिद मोहल्ला स्थित मस्जिद परिसर में भाजपा जिला अल्पसंख्यक मोर्चा (झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ) एवं भाजपा नगर मंडल चांपा के संयुक्त तत्वावधान में सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान हज यात्रियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनकी सुखद, सुरक्षित और मंगलमय यात्रा की कामना की गई। इस अवसर पर मुस्लिम समाज के वरिष्ठ हाजी रफीक मेमन, हाजी खैरात रिजवी, हाजी सैफुद्दीन, भाजपा नेता सलीम मेमन, मो. अख्तर सौदागर, शाहिद कादरी, समसुद्दीन अंसारी, सऊदीन अंसारी, समीर मेमन सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष प्रदीप नामदेव ने कहा कि आज देश का युवा अपने समाज, संस्कृति और धार्मिक परंपराओं से जुड़कर उन्हें आगे बढ़ा रहा है, जो पूरे देश और दुनिया के लिए एक मिसाल है। वहीं भाजपा जिला अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष संतोष जब्बल ने कहा कि हज यात्रा पवित्र और पाक होती है, जिसमें शांति, भाईचारे और देश में अमन-सुकून का संदेश निहित है। चांपा के युवाओं का हज यात्रा पर जाना नगर के लिए गर्व का विषय है।

इस अवसर पर भाजपा नगर मंडल चांपा के महामंत्री रामवल्लभ सोनी, गोपीचंद बरेठ, नरेंद्र ताम्रकार, मंगलचंद देवांगन, सुभाष शर्मा, मुकेश जायसवाल, रामू खूबवानी, दुर्गा पटेल सहित भाजपा के अनेक पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने हज यात्रियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनकी सफल यात्रा और कुशल वापसी की कामना की।

कर्ज के बोझ तले दबे अन्नदाता पर टूटा दुखों का पहाड़ः बांदे में जलकर खाक हुई मक्के की फसल, रो पड़ा किसान परिवार, खून-पसीने की कमाई पल भर में हुई स्वाहा

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर /:-कांकेर जिले के बांदे अंतर्गत पी.वी. 101 (जयराम नगर) में एक गरीब किसान की मेहनत पर पानी फिर गया। यहां अज्ञात कारणों से खेत में खड़ी मक्के की तैयार फसल में अचानक भीषण आग लग गई, जिससे पूरी फसल जलकर राख के ढेर में तब्दील हो गई। इस घटना के बाद से पीड़ित किसान का पूरा परिवार गहरे सदमे में है। पीड़ित किसान ने इस मक्के की खेती के लिए बैंक से बकायदा तीन लाख रुपये का लोन लिया था। फसल नष्ट होने के साथ ही खेतों में सिंचाई के लिए बिछाई गई महंगी पाइपलाइन भी पूरी तरह जलकर बर्बाद हो गई है, जिससे किसान के सामने अब आर्थिक रूप से जीवन-यापन का बड़ा संकट खड़ा हो गया है। मिली जानकारी के अनुसार, पीड़ित किसान रोज की तरह सुबह अपने मजदूरों (लेबरों) के साथ खेत में मक्का तोड़ने के काम में जुटा हुआ था। सुबह करीब 10:30 बजे तक मक्के की तुड़ाई करने के बाद किसान भोजन करने के लिए अपने घर चला गया। कुछ देर बाद जब वह वापस खेत पर लौटा, तो वहां का नजारा देखकर उसके पैरों तले जमीन खिसक गई। पूरा खेत धू-धू कर जल रहा था और देखते ही देखते उसकी तीन पैकेट मक्के की फसल पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी। पीड़ित किसान ने तुरंत इसकी सूचना अपने परिवार, ग्राम प्रमुख और आस-पड़ोस के ग्रामीणों को दी। खेत की बर्बादी देखकर घर की महिलाओं का रो-रोकर बुरा हाल है। मीडिया से बात करते हुए पीड़ित किसान ने रूंधे गले से बताया कि वह एक बेहद गरीब किसान है और खेती-बाड़ी ही उसके परिवार के गुजर-बसर का एकमात्र जरिया है। बैंक के कर्ज और इस भारी नुकसान ने उसे पूरी तरह तोड़ दिया है।

इस दर्दनाक घटना की जानकारी मिलते ही पखांजूर शिवसेना की टीम तुरंत हरकत में आई और संगठन के पदाधिकारी जीरो ग्राउंड पर पीड़ित किसान के खेत में पहुंचे। शिवसेना के नेताओं ने जलकर खाक हुई फसल का मुआयना किया और पीड़ित किसान तथा उसके रोते-बिलखते परिवार से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। संगठन ने इस संकट की घड़ी में किसान के साथ हमेशा खड़े रहने का आश्वासन दिया है। साथ ही शिवसेना ने जिला प्रशासन और संबंधित विभागहै कि पीड़ित किसान की स्थिति को देखते हुए तत्काल मौका मुआयना (सर्वे) कराया जाए और उसे जल्द से जल्द उचित मुआवजा प्रदान किया जाए। अब देखना यह होगा कि शासन-प्रशासन इस अन्नदाता की गुहार पर कितनी जल्दी संज्ञान लेता है और पीड़ित परिवार को कब तक आर्थिक राहत राशि मिल पाती है।

दिन के उजाले और रात के अंधेरे में दौड़ रहे रेत भरे ट्रैक्टर, बकावंड में फिर सक्रिय हुए रेत माफिया

बकावंड/मूक पत्रिका

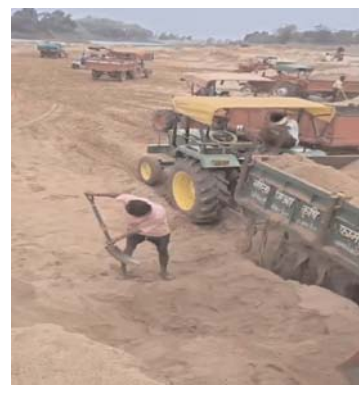

बस्तर जिले के बकावंड ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत बनियागांव के आश्रित ग्राम बेलगांव में अवैध रेत खनन और परिवहन का मामला एक बार फिर सुर्खियों में है। क्षेत्र में दिन और रात दोनों समय रेत से भरे ट्रैक्टरों की आवाजाही लगातार जारी है, जिससे प्रशासनिक कार्रवाई पर सवाल उठने लगे हैं।

जानकारी के अनुसार, बेलगांव क्षेत्र में नदी-नालों से बिना वैध अनुमति और बिना रॉयल्टी जमा किए धड़ल्ले से रेत निकासी की जा रही है। रेत माफिया ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के माध्यम से बड़े पैमाने पर रेत का परिवहन कर रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को भी ऊंचे दामों पर रेत बेची जा रही है। बताया जा रहा है कि बिना पिट पास और रॉयल्टी के एक ट्रॉली रेत करीब 700 रुपए में बेची जा रही है, जबकि मजदूरों को भराई के लिए 300 रुपए मजदूरी दी जाती है।ग्रामीणों के मुताबिक, प्रतिदिन करीब 100 से अधिक ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से अवैध रेत निकासी की जा रही है। इससे शासन को लाखों रुपए के राजस्व का नुकसान हो रहा है। वहीं कुछ ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि रेत परिवहन के नाम पर ट्रैक्टर चालकों और ग्रामीणों से प्रति ट्रिप जबरन वसूली भी की जा रही है।स्थानीय लोगों का कहना है कि कुछ दिन पहले ही जिला कलेक्टर ने अवैध खनन पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए थे, लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति जस की तस बनी हुई है। रेत माफिया खुलेआम प्रशासन को चुनौती देते नजर आ रहे हैं।ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि मौके का निरीक्षण कर अवैध खनन और परिवहन पर तत्काल रोक लगाई जाए तथा दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

सॉफ्टवेयर कंपनी में हिस्सेदारी और CTO बनाने का झांसा देकर 43 लाख की ठगी करने वाले पति-पत्नी मुंबई से गिरफ्तार, सगे मामा और मामी ने मिलकर भांजे से की ठगी

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/ :-कांकेर जिले के पखांजूर थाना क्षेत्र में एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर से लाखों रुपये की धोखाधड़ी करने का एक बड़ा मामला सामने आया है। पखांजूर पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए एक बड़ी कार्रवाई के तहत 'जीलएप व्यू प्राइवेट लिमिटेड' कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और उसकी पत्नी को मुंबई, महाराष्ट्र से गिरफ्तार किया है। आरोपियों पर पीड़ित को कंपनी में मुख्य तकनीकी अधिकारी बनाने और 10 प्रतिशत की पार्टनरशिप देने का लालच देकर 43 लाए हजार 900 रुपये ठगने का आरोप है। पुलिस दोनों आरोपियों को ट्रांजिट रिमांड पर पखांजूर लेकर आई, जिसके बाद उन्हें न्यायालय में पेश किया गया।

फर्जी पहचान पत्र और बिजनेस कार्ड दिखाकर जीता भरोसा-मिली जानकारी के अनुसार, पखांजूर निवासी पीड़ित मनीष सोनी ने 24 मई 2025 को पखांजूर थाने में इस धोखाधड़ी की लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि वर्ष 2021 से 2025 के बीच जीलएप व्यू प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक व छ्श्श्ह आनंद चंदेल और उनकी पत्नी रेखा आनंद चंदेल ने उससे संपर्क किया था। आरोपियों ने पीड़ित को अपने जाल में फंसाने के लिए फर्जी पहचान पत्र, फर्जी बिजनेस कार्ड और कई अन्य कूटरचित दस्तावेजों का सहारा लिया, ताकि पीड़ित को कंपनी के असली होने का पूरा भरोसा हो जाए।

कोरोना काल का हवाला देकर रकम डकारने की कोशिश-आरोपियों ने पीड़ित मनीष सोनी को कंपनी में बड़ा पद और 10 फीसदी शेयर होल्डर (भागीदार) बनाने का सुनहरा सपना दिखाया। उनके झांसे में आकर पीड़ित ने अलग-अलग किश्तों में ऑनलाइन माध्यम से कुल 43,44,900 रुपये आरोपियों के खाते में ट्रांसफर कर दिए। रकम ऐंठने के बाद जब पीड़ित ने अपनी हिस्सेदारी और पैसों के बारे में पूछताछ शुरू की, तो आरोपियों ने पैंतरा बदलना शुरू कर दिया। शातिर आरोपियों ने पीड़ित को झांसा दिया कि कोरोना काल के कारण कंपनी भारी घाटे में डूब गई है और इसी का हवाला देकर वे लंबे समय तक पैसा वापस करने से बचते रहे। पीड़ित मनीष सोनी की शिकायत पर पखांजूर पुलिस ने मामला दर्ज कर बारीकी से जांच शुरू की। जांच में शिकायत सही पाए जाने और आरोपियों के फर्जीवाड़े का खुलासा होने के बाद पुलिस टीम को आरोपियों की तलाश में रवाना किया गया। पखांजूर पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों को मुंबई (महाराष्ट्र) में ढूंढ निकाला और घेराबंदी कर आनंद चंदेल व उनकी पत्नी रेखा आनंद चंदेल को धर दबोचा। पुलिस इस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी हुई है।

धोखाधड़ी मामले में चोलामंडलम ट्रक फाइनेंस कंपनी का मैनेजर नारायणपुर से गिरफ्तार, कार्रवाईः करीब 9 लाख की

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर /उत्तर बस्तर कांकेर जिले के भानुप्रतापपुर थाना पुलिस ने वाहन ट्रांसफर न कर करीब 9 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने वाले शातिर आरोपी को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। गिरफ्तार आरोपी चोलामंडलम ट्रक फाइनेंस कंपनी का मैनेजर है, जिसे पुलिस ने नारायणपुर के बुधवारी बाजार से हिरासत में लिया है। आरोपी द्वारा प्रार्थी से लाखों रुपये वसूलने के बाद भी वाहन का नामांतरण न कर छलपूर्वक धोखाधड़ी की वारदात को अंजाम दिया गया था।

16 चक्का ट्रक के सौदे में हुआ खेल

मिली जानकारी के अनुसार, प्रार्थीया सुनीता यादव (पति भूपेंद्र यादव, उम्र 26 वर्ष, निवासी हरहरपानी, भानुप्रतापपुर) ने राहुल कुमार रोडे के साथ साझेदारी में एक वाहन खरीदने हेतु आरोपी संजय भास्कर तिवारी (निवासी बुधवारी बाजार, नारायणपुर) से संपर्क किया था। आरोपी द्वारा नरेंद्र भोयर के नाम पर पंजीकृत 16 चक्का ट्रक को बेचने के लिए कुल 29,42,722.73 रुपये में सौदा तय किया गया था। अलग-अलग खातों में मंगाए पैसे, फिर मुकरा तय सौदे के तहत प्रार्थीया सुनीता यादव ने आरोपी को 2,50,000 रुपये नगद दिए। इसके अलावा राहुल आरदे के खाते से गूगल-पे के माध्यम से कुल 6,88,838 रुपये आरोपी संजय भास्कर तिवारी की पत्नी सरिता राजपूत, मनदीप मिश्रा, दिनेश तथा चोलामंडलम फाइनेंस कंपनी के नाम पर ट्रांसफर किए गए। इस तरह आरोपी ने कुल 9 लाख 38 हजार 838 रुपये प्राप्त कर लिए। पूरी राशि प्राप्त करने के बाद भी आरोपी द्वारा प्रार्थीया के नाम पर वाहन का नामांतरण (ट्रांसफर) नहीं कराया गया और छलपूर्वक धोखाधड़ी की गई। प्रार्थीया की शिकायत पर थाना भानुप्रतापपुर में दिनांक 12.05.2026 को अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था।वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में पुलिस ने दी दबिश मामले की गंभीरता को देखते हुए कांकेर पुलिस अधीक्षक निखिल अशोक राखेचा (भा.पु.से.) के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भानुप्रतापपुर आकाश श्रीमाल के मार्गदर्शन में कार्रवाई शुरू की गई। भानुप्रतापपुर के अनुविभागीय अधिकारी पुलिस शेरबहादुर सिंह ठाकुर के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी भानुप्रतापपुर के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए आरोपी संजय भास्कर तिवारी (पिता स्व. सर्व दमन तिवारी, उम्र 44 वर्ष) को बुधवारी बाजार नारायणपुर से घेराबंदी कर गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया, जिसके बाद उसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है। इस महत्वपूर्ण कार्रवाई में थाना प्रभारी व निरीक्षक रामेश्वर प्रसाद देशमुख, उप निरीक्षक रामप्रसाद सिन्हा, प्रधान आरक्षक संदीप कुर्रे, आरक्षक विमल कांगे और आरक्षक फत्तुराम हुसेंडी की सराहनीय भूमिका रही।

मछली, बत्तख और मुर्गी पालन के एकीकृत मॉडल से सालाना लाखों की आय, गांव के किसानों के लिए बने प्रेरणा स्रोत

मनरेगा की डबरी से बदली किस्मत : हसदा के किसान जयलाल बैसाखु बने आत्मनिर्भर

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले के जनपद पंचायत बेरला अंतर्गत ग्राम पंचायत हसदा के किसान श्री जयलाल बैसाखु ने मेहनत, नवाचार और महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के माध्यम से अपनी जिंदगी की तस्वीर बदल दी है। कभी बंजर और सूखे पड़े खेत में आज समृद्धि की हरियाली लहलहा रही है। निजी भूमि पर निर्मित डबरी ने न केवल उनकी खेती को नया जीवन दिया, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर किसान के रूप में पहचान भी दिलाई है।श्री जयलाल बैसाखु के पास लगभग 2 एकड़ भूमि थी, जो ऊंचाई पर स्थित होने के कारण बारिश का पानी नहीं रोक पाती थी। खरीफ सीजन में धान की फसल भी मुश्किल से तैयार होती थी और परिवार का भरण-पोषण करना चुनौती बना हुआ था। इसी दौरान उन्हें ग्राम रोजगार सहायक से मनरेगा के तहत ÷निजी भूमि पर डबरी निर्माण÷ योजना की जानकारी मिली। उन्होंने तत्काल आवेदन किया, जिसके बाद पंचायत के तकनीकी सहायक द्वारा स्थल निरीक्षण कर डबरी निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई। मनरेगा के अंतर्गत डबरी निर्माण कार्य शुरू हुआ, जिसमें स्वयं जयलाल और उनके परिवार के सदस्यों ने श्रमिक के रूप में कार्य किया। इससे उन्हें मजदूरी भी प्राप्त हुई और खेत में लगभग 10 फीट गहरी डबरी तैयार हो गई। बारिश के मौसम में डबरी पानी से भर गई और यही पानी उनके जीवन में नई उम्मीद लेकर आया। पानी उपलब्ध होने के बाद जयलाल ने परंपरागत खेती के बजाय ÷एकीकृत कृषि मॉडल÷ अपनाया। उन्होंने डबरी में रोहू, कतला और मृगल जैसी मछलियों का पालन शुरू किया। पहली ही खेप में लगभग 12 क्विंटल मछली उत्पादन हुआ, जिससे उन्हें लाखों रुपये की आय प्राप्त हुई। इसके साथ ही उन्होंने डबरी में बत्तख पालन भी शुरू किया। बत्तखों का मल मछलियों के लिए प्राकृतिक आहार बन गया, जिससे दाने का खर्च कम हुआ और बत्तखों की बिक्री से नियमित अतिरिक्त आय मिलने लगी।इतना ही नहीं, डबरी की मेड़ को चौड़ा कर वहां 200 देशी एवं कड़कनाथ मुर्गियों के लिए शेड तैयार किया गया। मुर्गियों की बीट डबरी में गिरकर मछलियों के लिए भोजन का कार्य करती है, वहीं मेड़ों पर उगाई गई सब्जियों के लिए जैविक खाद के रूप में उपयोग होती है। इस समन्वित मॉडल ने खेती, पशुपालन और मत्स्य पालन को एक साथ जोड़कर आय के कई स्रोत तैयार कर दिए। डबरी के पानी से अब जयलाल सालभर खेती कर रहे हैं। पहले जहां केवल एक फसल मुश्किल से होती थी, वहीं अब धान, गेहूं और मौसमी सब्जियों सहित वर्ष में तीन फसलें ली जा रही हैं। इससे अतिरिक्त आय भी सुनिश्चित हो रही है। आज श्री जयलाल बैसाखु की कुल वार्षिक आय लगभग ?4.70 लाख से अधिक पहुंच चुकी है। मछली पालन, बत्तख पालन, कड़कनाथ मुर्गी पालन और खेती से होने वाली आमदनी ने उनके परिवार की आर्थिक स्थिति को पूरी तरह बदल दिया है। इतना ही नहीं, वे गांव के अन्य लोगों को भी रोजगार उपलब्ध करा रहे हैं। अपनी सफलता के बारे में जयलाल कहते हैं, ÷पहले सालभर में 50 हजार रुपये कमाना भी मुश्किल था। मनरेगा से बनी डबरी ने मेरी जिंदगी बदल दी। अब मैं खुद आत्मनिर्भर हूं और दूसरों को भी रोजगार दे रहा हूं। अधिकारी इसे 'इंटीग्रेटेड फार्मिंग' कहते हैं, लेकिन मैंने तो सिर्फ मेहनत और सही योजना पर भरोसा किया। जयलाल का यह मॉडल जिले के अन्य किसानों के लिए प्रेरणादायक उदाहरण बन चुका है। मनरेगा, पशुपालन और मत्स्य पालन विभाग के अभिसरण से तैयार यह मॉडल किसानों की आय बढ़ाने में बेहद प्रभावी साबित हो रहा है। जयलाल बैसाखु की यह कहानी इस बात का प्रमाण है कि यदि जल संरक्षण और संसाधनों का सही उपयोग किया जाए, तो सूखी जमीन भी समृद्धि की नई कहानी लिख सकती है। उनका संदेश आज गांव-गांव में प्रेरणा बन रहा है – ÷पानी रोक लो, पैसा खुद-ब-खुद आएगा।÷

संपादकीय

संकट का सामना करने की जिम्मेदारी आम नागरिकों की भी

पश्चिम एशिया में संघर्ष का असर अब भारत की अर्थव्यवस्था पर साफ दिखने लगा है। ऊर्जा संकट और व्यापार में बाधाओं के कारण पैदा हुई चुनौतियों का दायरा बढ़ता जा रहा है। वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों में बढ़ोतरी और मुद्रा (रुपये) के लगातार कमजोर होने से देश की अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ गया है। उधर, अमेरिका और ईरान के तल्ख तेवरों से शांति समझौते पर बातचीत आगे नहीं बढ़ पा रही है।ऐसे में अब मौजूदा संकट से निपटने के लिए वैकल्पिक उपायों को अमल में लाना जरूरी हो गया है। यही वजह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते रविवार को देश की जनता से पेट्रोलियम उत्पादों का संयमित तरीके से उपयोग करने, सोने की खरीदारी से परहेज करने, गैर जरूरी विदेश यात्रा से बचने और स्थानीय वस्तुओं को प्राथमिकता देने का आह्वान किया है।सरकार का मानना है कि इन सभी प्रयासों के परिणामस्वरूप भारत दुनिया भर में जारी ऊर्जा संकट का प्रभावी ढंग से सामना कर सकेगा। इससे विदेशी मुद्रा की बचत होगी, जिससे सरकारी कोष को मजबूत बनाए रखने में मदद मिलेगी। इसमें दोराय नहीं कि पिछले कुछ वर्षों में भारत सौर ऊर्जा के मामले में दुनिया के शीर्ष देशों में शामिल हो गया है, लेकिन देश की जरूरत मुख्य तौर पर अभी भी जीवाश्म ईंधन से पूरी की जा रही है।ऐसे में जरूरी है कि मौजूदा संकट के दौरान आयातित ऊर्जा संसाधनों का उपयोग विवेकपूर्ण ढंग से और वास्तविक आवश्यकता के अनुसार ही किया जाए। गौरतलब है कि पश्चिम एशिया में संघर्ष के कारण होर्मुज जलमार्ग के बंद होने से तेल की आपूर्ति श्रृंखला बाधित हुई है, जिससे ऊर्जा का गंभीर संकट खड़ा हो गया है।खबरों के मुताबिक, पिछले कुछ दिनों से वैश्विक ऊर्जा कीमतों में हुई बढ़ोतरी से देश की सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों पर आर्थिक दबाव बढ़ गया है, जिस कारण आने वाले दिनों में पेट्रोलियम पदार्थों के दाम बढ़ सकते हैं। हालांकि, अभी तक सरकार ने पेट्रोल-डीजल और घरेलू रसोई गैस के दामों को नियंत्रित करने के प्रयास किए हैं, लेकिन संकट गहराने से अब यह सब आसान नहीं होगा। इसके लिए वैकल्पिक उपायों पर गंभीरता से काम करना होगा, ताकि प्रतिकूल प्रभावों को कम किया जा सके।प्रधानमंत्री के आह्वान से इस बात के संकेत भी मिल रहे हैं कि आने वाले समय में रोजमर्रा के इस्तेमाल की जरूरी वस्तुएं महंगी हो सकती हैं। यानी कच्चे तेल से जुड़ी महंगाई, पैकेजिंग सामग्री और ईंधन लागत में बढ़ोतरी के बीच साबुन, डिटर्जेंट, बिस्किट, पैकेट बंद खाद्य पदार्थ और पेय उत्पाद जैसी वस्तुओं की कीमतें बढ़ सकती हैं।खबरों के मुताबिक, आवश्यक वस्तुओं का उत्पादन करने वाली देश की प्रमुख कंपनियां मुनाफे पर पड़ रहे दबाव को कम करने के लिए चरणबद्ध तरीके से दाम बढ़ाने की तैयारी कर रही हैं। यह सही है कि संकट जब गंभीर हो, तो उससे निपटने के लिए सरकारी उपायों के साथ-साथ आम नागरिकों की भी जिम्मेदारी बनती है कि वे उसमें सक्रिय भागीदारी निभाएं। मगर इस सब के बीच यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि इस तरह के उपायों का समाज के निचले और मध्य वर्ग की आजीविका पर कोई विपरीत प्रभाव न पड़े।

सिर्फ मुआवजा काफी नहीं- नाबालिग मांओं के भविष्य और बच्चों की नीति पर उठते बड़े सवाल

प्रजनन संबंधी स्वायत्तता, निजता और स्वतंत्रता संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत संरक्षित मौलिक अधिकार हैं। समाज और कानून दोनों में बदलाव वक्त की जरूरत है।लंबे समय से संवेदनाओं के धरातल पर बलात्कार की शिकार बनी नाबालिग बच्चियों के गर्भ को बचाने के सवाल पर बहस जारी है। सवाल यह है कि क्या दुर्व्यवहार का दंश झेलने वाली बच्ची के स्वास्थ्य और भविष्य को जोखिम में डालना उचित है! हाल ही में उच्चतम न्यायालय द्वारा एक नाबालिग बलात्कार पीड़िता की तीस सप्ताह की गर्भावस्था को समाप्त करने की अनुमति पर आया निर्णय समग्र समाज के लिए विचारणीय है। इस मामले में न्यायालय ने न केवल समय के साथ कानून में बदलाव लाने की बात कही, बल्कि यह भी स्पष्ट कहा कि जब गर्भधारण बलात्कार के कारण हुआ हो, तो समय सीमा नहीं होनी चाहिए। ऐसे में अगर गर्भपात की अनुमति नहीं दी गई, तो पीड़िता को जीवनभर मानसिक आघात झेलना पड़ेगा। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने गर्भपात की अनुमति देते हुए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान को निर्देश दिया कि वह पीड़िता के माता-पिता को इस मुद्दे पर उचित परामर्श दे। अगर मां को स्थायी शारीरिक हानि नहीं होती है, तो गर्भपात किया जाना चाहिए। इस विषय में अंतिम निर्णय पीड़िता और उसके परिवार का होना चाहिए।

(मोनिका शर्मा)

अदालत ने केंद्र सरकार से भी कहा कि कानून में संशोधन कर बलात्कार पीड़िताओं को बीस सप्ताह से अधिक समय के बाद भी गर्भपात की अनुमति देने पर विचार किया जाए। देखा जाए तो शोषण और सामाजिक आक्षेपों से उपजी भावनाओं और उलझनों को समझने वाली इस टिप्पणी का एक मजबूत व्यावहारिक धरातल है।

गौरतलब है कि एम्स द्वारा उच्चतम न्यायालय की ओर से पंद्रह साल की लड़की को तीस सप्ताह की गर्भावस्था को चिकित्सकीय रूप से समाप्त करने की अनुमति दिए जाने के आदेश को रद्द करने के लिए यह याचिका दाखिल की गई थी। मगर पीठ ने कहा कि 'यह एक उपचारात्मक याचिका है। किसी पर अनचाहा गर्भ नहीं थोपा जा सकता। सोचिए कि वह एक बच्ची है, जिसे इस समय पढ़ाई करनी चाहिए, लेकिन हम उसे मां बनाना चाहते हैं।

उसने जो पीड़ा और अपमान सहा है, उसकी कल्पना कीजिए।' निश्चित रूप से मातृत्व एक बड़ी जिम्मेदारी और मन से जिया जाने वाला भाव है। समझना कठिन नहीं कि किसी नाबालिग की अवांछित गर्भावस्था को जबरन जारी रखने के मामले इस भाव से कोसों दूर होते हैं। बलात्कार के कारण हुई अनचाही गर्भावस्था जीवन के हर पक्ष पर दीर्घकालिक प्रतिकूल प्रभाव डालती है।

मानसिक-शारीरिक स्वास्थ्य ही नहीं शिक्षा और सामाजिक-पारिवारिक जीवन भी बुरी तरह प्रभावित होता है। इसके बावजूद गर्भावस्था को कायम रखना सीधे-सीधे नागरिक अधिकारों का हनन है। ऐसे में शीर्ष अदालत ने भी कहा कि प्रजनन संबंधी स्वायत्तता, निजता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत संरक्षित मौलिक अधिकार हैज ऐसे मामलों में राहत नहीं दी गई, तो अवैध तथा असुरक्षित गर्भपात केंद्रों की ओर रुख करने की समस्या बढ़ सकती है।

मानसिक आघात से सामाजिक उपेक्षा तक

बलात्कार जैसे जघन्य आपराधिक घटना की बदौलत हिस्से आए ऐसे हालात नाबालिग लड़कियों के भीतर अवसाद, चिंता और आत्महत्या की मनःस्थिति तक बना देते हैं। बहुत सारी पीड़ित महिलाओं को मनोवैज्ञानिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। पढ़ाई छूट जाती है।

अपनों के व्यवहार में उनके प्रति सहजता का भाव नहीं रहता। सामाजिक परिवेश में भी उपेक्षा और उलाहने ही मिलते हैं। भविष्य हर मोर्चे पर असुरक्षित प्रतीत होता है। ज्ञात हो कि पिछले साल बंबई हाईकोर्ट ने भी पंद्रह वर्षीया बलात्कार पीड़िता को गर्भ हटाने की अनुमति दी थी। इस

मामले में पीड़िता ने कहा था कि वह भावनात्मक, आर्थिक और सामाजिक रूप से बच्चे की देखभाल नहीं कर पाएगी।

असल में बलात्कार की घटनाओं का परिणाम गर्भाधान के रूप में सामने आना पूरी दुनिया में चिंता का विषय बना हुआ है। अलग-अलग देशों में इससे जुड़े कानून अलग-अलग हैं। ऐसी घटनाओं से मिली मानसिक-शारीरिक प्रताड़ना और अनचाही जिम्मेदारी का बोझ झेलने का दर्द सभी जगह एक-सा ही है। समझना आवश्यक है कि बलात्कार की शिकार नाबालिगों को गर्भावस्था के लक्षणों की कोई समझ नहीं होती। अधिकतर बच्चियों को इस बारे में पता चलने या स्वजनों को बताने में देरी हो जाती है। कुछ समय पहले शिमला में बलात्कार की शिकार एक नाबालिग पीड़िता द्वारा अपनी माता से पेट में दर्द की शिकायत करने पर गर्भवती होने का पता चला। कम उम्र में शारीरिक शोषण करने वालों में पचास फीसद आरोपी बच्चों के परिचित और परिवार के भरोसे वाले लोग होते हैं। नाबालिग बच्चियां डर की वजह से भी इनकी शिकायत नहीं कर पातीं। उत्पीड़न को लेकर अभिभावकों को कुछ नहीं बता पातीं। कानून से ज्यादा जरूरी सामाजिक संवेदनशीलता ऐसे मामलों में कानून के साथ-साथ समाज की सोच में भी बदलाव आवश्यक है। उत्पीड़न की शिकार नाबालिग के लिए यह स्थिति बिना कोई अपराध किए दंड मिलने जैसी होती है। ऐसे में न केवल परिवार का सहयोग और संबल जरूरी है, बल्कि कानूनी बदलाव भी वक्त का तकाजा है। आमतौर पर पहले से ही शोषण का दुख झेल रहीं बच्चियां बिल्कुल अकेली पड़ जाती हैं। पीड़ित बच्चियों के भविष्य पर अब भी अधूरा कानून बलात्कार के परिणामस्वरूप जन्म लेने वाले बच्चों के लिए फिलहाल कोई कानून नहीं है। कुछ साल पहले इलाहबाद हाईकोर्ट ने कहा था कि नाबालिग से बलात्कार के बाद जन्मे बच्चे का दोषी पिता की संपत्ति पर अधिकार होगा। दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा भी ऐसे बच्चे को मां से अलग मुआवजा देने का आदेश दिया जा चुका है। बंबई हाईकोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए कहा था कि पीड़िताओं को मुआवजा देना पर्याप्त नहीं, उनसे जन्मे बच्चों के लिए भी नीति बने। विचारणीय है कि यह स्थिति खुद नाबालिग मां या उसके परिवार के लिए ही सहज नहीं होती। कुछ समय पहले लखनऊ में बलात्कार की शिकार हुई बारह साल की बच्ची के मां बनने पर बच्ची और परिवार ने नवजात को घर ले जाने से इनकार कर दिया था। ऐसे में हालिया न्यायिक निर्णय बलात्कार का दंश झेल चुकी बच्चियों का भविष्य सहेजने वाला है।

अंग, बंग और कलिंग में खिला कमल- बंगाल में 'भय' पर 'भरोसे' की जीत और दीदी की विदाई

(सुधीश पचौरी)

ममता दीदी हार नहीं मान रहीं, वे कहती हैं-हमें हराया गया है। लोकतंत्र में स्थिति ऐसी हो गई है कि कोई हारकर भी इस्तीफा नहीं देता। 'इंडिया' के एक बड़े नेता ने पहले आरोप लगाया कि बंगाल में भाजपा के प्रवेश के लिए दीदी जिम्मेदार हैं।

एक चेतावनी चार मई के बाद गुंडों को उल्टा लटका कर सीधा कर देंगे! फिर एक जवाब - चार मई के बाद देखते हैं दिल्ली का कौन आपको बचाने आता है! चार मई की सुबह - चैनलों में मतदान बाद सर्वेक्षण को लेकर भिड़ंत जारी रही। भाजपा मतदान बाद जनमत सर्वेक्षण में आठ में से छह में जीतती दिखी, जबकि तृणमूल कांग्रेस दो में जीतती दिखी। तनाव जारी रहा। अंत में आए परिणाम और उनके साथ आई 'चार मई' की 'क्रांति'। तृणमूल कांग्रेस साफ, और भाजपा को तगड़ा बहुमत मिला। ममता दीदी को बड़ा झटका लगा। वे अपने गढ़ भवानीपुर चुनाव क्षेत्र से हार गईं और भाजपा के बड़े नेता शुभेंदु अधिकारी 15,000 मतों से जीत गए।

मतगणना के दौरान अपनी आसन्न हार को देखते हुए ममता दीदी का मतदान केंद्र में घुसना और देर तक बैठे रहना सामने आया। फिर सुरक्षा बलों पर धक्का-मुक्की के आरोप लगाए गए। अंत में भाजपा की प्रचंड जीत और तृणमूल कांग्रेस की करारी हार हुई और बंगाल में लोगों का जश्न मनाया गया। दिल्ली में भाजपा मुख्यालय में शाम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संबोधन दिया कि 'अंग, बंग और कलिंग' में भाजपा की जीत हुई है। बंगाल में 'भय' की जगह 'भरोसे' की जीत हुई है। कई चैनलों ने इसे 'हिंदुत्व की जीत', 'सनातन की जीत', 'हिंदू एकजुटता की जीत' बताया। कुछ ने इसे ध्रुवीकरण की जीत कहा, तो कुछ ने कहा कि इससे 2027 के उत्तर प्रदेश चुनावों और 2029 के आम चुनावों में भाजपा की जीत का रास्ता साफ हो गया है। बंगाल की जनता के दमित विक्षोभ की अभिव्यक्ति भी दिखाई दी। कोई नाच रहा था, कोई गा रहा था, कोई झालमूड़ी और संदेश बांट रहा था। ढोल-चंग बज रहे थे, गुलाल लग रहा था, स्त्री-पुरुष, वृद्ध और बच्चे सभी शामिल थे। कुछ लोग कह रहे थे कि पंद्रह साल की तानाशाही खत्म हुई, दमन खत्म हुआ। चार मई की हार के बाद ममता दीदी को इस्तीफा देना चाहिए था, लेकिन उन्होंने नहीं दिया। वे कहने लगीं कि वे हारी नहीं हैं, बल्कि हराई गई हैं। भाजपा और चुनाव आयोग ने मिलकर सौ सीटें चुराई हैं। वे अदालत जाएंगी, जरूरत पड़ी तो अंतरराष्ट्रीय अदालत तक जाएंगी। वे लोकतंत्र और संविधान बचाने की बात करने लगीं।

'इंडिया' के एक बड़े नेता ने पहले आरोप लगाया कि बंगाल में भाजपा के प्रवेश के लिए दीदी जिम्मेदार हैं। लेकिन जब दीदी हार गईं, तो उन्होंने इसे वोट चोरी बताया। कहा गया कि पहले महाराष्ट्र और हरियाणा के चुनाव भी चोरी किए गए। 'इंडिया' के एक अन्य नेता भी दीदी से मिलने पहुंचे, आंसू पोंछे और कहा कि चुनाव की चोरी की गई है। पहले उत्तर प्रदेश में हुई, आगे भी हो सकती है। इसके बाद बंगाल का असली हिंसक चेहरा सामने आया। चुनाव परिणाम के दो दिन बाद रात में भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी के निजी सचिव चंद्रनाथ रथ की उनकी कार में उनके घर के पास हत्या कर दी गई। इस घटना ने बंगाल की हिंसा को फिर से बहस में ला दिया। कुछ लोगों ने इसे हार की बौखलाहट बताया, तो कुछ ने कहा कि चुनाव के दौरान दी गई धमकियों का यह परिणाम है। इसके बाद यह हत्या भी उसी तरह बहस में निपटाई गई जैसे अन्य घटनाएं की जाती हैं। हर वक्ता और प्रवक्ता पहले अहिंसा का संदेश देता है, फिर हत्या की निंदा करता है और साथ ही प्रशासन, चुनाव आयोग और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाता है। इसी बीच राज्यपाल ने बंगाल की पिछली विधानसभा और मंत्रिमंडल को भंग कर दिया। इससे ममता बनर्जी के इस्तीफा न देने का मामला अप्रासंगिक हो गया और नई विधानसभा तथा नए मुख्यमंत्री के शपथ समारोह का मार्ग प्रशस्त हो गया। असम, केरल और पुदुचेरी में मिले जनादेशों पर कोई विवाद नहीं हुआ, लेकिन तमिलनाडु में मामला अटक गया। तमिल फिल्मी हीरो जोसेफ विजय का दल टीवीके बहुमत से दस-ग्यारह सीटें कम रह गया। कांग्रेस के पांच सदस्य उनके साथ आए, फिर भी बहुमत नहीं बना। जोसेफ विजय जब राज्यपाल के पास गए तो उन्हें कहा गया कि पहले बहुमत सिद्ध करें, तभी शपथ ली जाएगी। इसी बिंदु पर संविधान विशेषज्ञों में बहस छिड़ गई। एक पक्ष का मानना था कि विजय सबसे बड़ी पार्टी के नेता हैं, इसलिए राज्यपाल को उन्हें बहुमत सिद्ध करने का अवसर देना चाहिए था। लेकिन राज्यपाल अपने निर्णय पर अडिग रहे। अंत में यह चर्चा भी उठी कि लोकतंत्र में स्थिति ऐसी हो गई है कि कोई हारकर भी इस्तीफा नहीं देता और कोई जीतकर भी समय पर शपथ नहीं ले पाता। तृणमूल कांग्रेस की हार के बाद पार्टी के कुछ प्रवक्ता चेहरे अचानक दयनीय और उपहास के पात्र बनते दिखे। एक प्रवक्ता ने टीवी पर माफी मांगते हुए कहा कि वह दबाव में थे और सिर्फ प्रवक्ता थे, नेता नहीं। इसी संदर्भ में कहा गया कि छुरी बन, कांटा बन ओ माई सन! सब कुछ बन, किसी का प्रवक्ता नहीं बन! (यह लेखक के अपने विचार हैं)

मेक इन इंडिया से डिजिटल इंडिया तक - कॉरपोरेट सेक्टर की बढ़ती ताकत

निगमित क्षेत्र के इन आयामों से जुड़ी समस्याओं के समाधान की दृष्टि से पुराने श्रम कानून और व्यवसाय शुरू करने तथा उनको चलाने में अत्यधिक दस्तावेजीकरण निवेश को हतोत्साहित करते हैं।देश की अर्थव्यवस्था में निगमित क्षेत्र का महत्त्वपूर्ण योगदान है। यह क्षेत्र अब तेजी से वृद्धि और बदलाव के दौर में है। वर्तमान में यह संरचनात्मक परिवर्तनों, तकनीकी एकीकरण और स्थिरता की दिशा में विकास के चरण से गुजर रहा है। इस क्षेत्र में विनिर्माण क्षेत्र सर्वाधिक अहम है। पिछले कुछ वर्षों से इसकी गति धीमी चल रही थी।

(अजय जोशी)

अब इसके पुनरुद्धार की दिशा में किए गए प्रयासों से विनिर्माण क्षेत्र में तेज वृद्धि देखी जा रही है। नवंबर 2025 तक विनिर्माण क्षेत्र में 8.0 फीसद की वृद्धि दर्ज की गई है।सरकार की ओर से समय-समय पर जारी आंकड़ों के अनुसार, यह क्षेत्र बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में इसमें 7.72 फीसद और दूसरी तिमाही में 9.13 फीसद वृद्धि दर्ज की गई है। सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण क्षेत्र का योगदान लगभग 17 फीसद रहा है। ताजा संशोधित आंकड़ों के अनुसार, विनिर्माण की वृद्धि दर वर्ष 2025-26 में 11.5 फीसद रहने का अनुमान है। भारत का लक्ष्य सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी को 17 फीसद से बढ़ा कर 25 फीसद करना है।

निगमित क्षेत्र में डिजिटल परिवर्तन का दौर भी तेजी से चल रहा है। बैंकिंग, खुदरा व्यवसाय, स्वास्थ्य सेवा और सामग्री प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में कृत्रिम मेधा (एआइ) को तेजी से अपनाया जा रहा है। निगमित क्षेत्र में ब्राडबैंड और इंटरनेट उपयोगकर्ता बढ़ रहे हैं। नवंबर 2025 तक ब्राडबैंड ग्राहकों की संख्या एक सौ करोड़ के पार चली गई, जो एक दशक पहले के 13.15

करोड़ से सात गुना अधिक है। देश के 99.9 फीसद जिलों में 5जी की सुविधा है और 5.18 लाख से अधिक बेस स्टेशन कार्यरत हैं। वहीं यूपीआइ लेन-देन भी तेजी से बढ़ रहा है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा डिजिटल देश है। देश में डेटा की लागत वर्ष 2014 के 269 रुपए प्रति गीगाबाइट से घट कर वर्ष 2025-26 में 8-10 रुपए प्रति गीगाबाइट रह गई है। डेटा सुरक्षा के लिए डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण नियम- 2025 में लागू हुए, जिसमें बच्चों के डेटा और गोपनीयता के संबंध में सख्त प्रावधान किए गए हैं।

अब कारपोरेट क्षेत्र में केवल मुनाफे के बजाय पर्यावरणीय और सामाजिक शासन के मापदंडों पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। इससे हरित ऊर्जा और सतत विकास के क्रियाकलापों में निवेश बढ़ा है। निगमित संस्थाओं में पर्यावरण और समाज के प्रति जिम्मेदारियां बढ़ाई गई हैं। निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व के लिए बने सीएसआर कोष से इसके लिए व्यय लगातार बढ़ रहा है। कंपनियां पर्यावरणीय पहलों जैसे नवीकरणीय ऊर्जा, अपशिष्ट प्रबंधन और जल संरक्षण आदि पर अधिक खर्च कर रही हैं।

सीएसआर के तहत प्रमुख कार्यों में भुखमरी, गरीबी और कुपोषण को दूर करना, स्वास्थ्य सेवा, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी प्रमुखता से प्रयास किए गए हैं। अब कंपनियां केवल परियोजना-आधारित व्यय के बजाय, स्थायी विकास के लक्ष्यों को अपनी मूल व्यावसायिक रणनीतियों में शामिल कर रही हैं। कंपनियां पर्यावरण अनुकूल उत्पादों को अपना रही हैं, ताकि पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों को कम किया जा सके। कई संस्थाएं 18 राज्यों में 2,250 गांवों और कस्बों में पांच लाख से अधिक परिवारों को जोड़ते हुए अपने पर्यावरणीय लक्ष्यों के माध्यम से सतत विकास में योगदान दे रही हैं। इनका प्रमुख जोर पर्यावरण संरक्षण और पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने पर है।

भारत सेमीकंडक्टर मिशन के तहत नई इकाइयों को मंजूरी देकर वैश्विक केंद्र बनने की ओर अग्रसर है। इन नवीन पहलुओं के परिणामस्वरूप, भारतीय निगमित क्षेत्र न केवल घरेलू मांग को पूरा कर रहा है, बल्कि वैश्विक मूल्य श्रृंखला में भी एक प्रमुख शक्ति के रूप में उभर रहा है। इन सभी के बीच देश के निगमित क्षेत्र में इस समय कई तरह की आर्थिक, ढांचागत और नियामक चुनौतियां हैं। इससे विकास और उत्पादकता प्रभावित होती है। विशेष रूप से लघु और मध्य आकार की कंपनियां अपने कारोबार का विस्तार करने, नई तकनीक अपनाने या उत्पाद श्रृंखला में विविधता लाने के लिए आवश्यक पूंजी की कमी से जूझ रही हैं। भारत में लाजिस्टिक लागत सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 13-14 फीसद है, जो वैश्विक औसत से अधिक है। खराब परिवहन प्रणाली, अपर्याप्त भंडारण और बिजली की कमी, ये सभी उत्पादन लागत को बढ़ाते हैं। जटिल नियामक ढांचा और नीतिगत अनिश्चितता, भ्रष्टाचार और नियमों में बार-बार बदलाव निवेश को हतोत्साहित करते हैं। अनुसंधान और विकास में कम निवेश के कारण भारतीय उद्योग नवाचार और उद्यमिता के मामले में पीछे हैं। सख्त श्रम कानूनों के कारण भी निजी क्षेत्र को कार्य बल प्रबंधन में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। हतोत्साहित करते हैं। एकल खिड़की मंजूरी प्रणाली को मजबूत करना तथा श्रम कानूनों का और सरलीकरण करना जरूरी है। खराब परिवहन से उत्पादन और वितरण लागत बढ़ जाती है। गति शक्ति पहल के तहत बहु-परिवहन प्रणालियों और समर्पित माल गलियारों में निवेश तेज करना तथा सामग्री प्रबंधन लागत को कम करने के प्रयास जरूरी है। (यह लेखक के अपने विचार है)

टिमरलगा में बना उमेश पुष्पा भाऊ, अवैध खदान में बारूद का कहर: ब्लास्टिंग से दहल उठा धरती, जीव जंतु मानव को जान का खतरा

बारूद एक विस्फोट सामग्री हैं, अवैध सप्लाई ब्लास्टिंग पर जेल तक का प्रावधान?

सारंगढ़ बिलाईगढ़ /मूक पत्रिका

प्रसिद्ध गौण खनिज ग्राम पंचायत गुड़ेली टिमरलगा के अवैध खदानो मे बिना कोई वैध अनुमति के बारूद खेल सालों से चलता आ रहा, जिसका विभाग किसी भी तरह से अवैध बारूद से अवैध खदान पर ब्लास्टिंग करने का अनुमति नहीं देता है। ग्राम पंचायत टिमरलगा उमेश के खदान से सिर्फ खनन नहीं , बल्कि पूरे धरती के छाती चीर कर लाखों टन अवैध पत्थर निकाल कर क्रेशर में बेच खाया और राजस्व को लाखों करोड़ों खुले आम चूना लगा दिय। अवैध पत्थर खदान में बीते कुछ दिनों से नियमों को ताक पर रखकर हेवी ब्लास्टिंग ने इंसान तो दूर, बेजुबान जीव-जंतुओं पर भी कहर बरपाया। ब्लास्टिंग से निकलने वाली दुआ जहरीली होती है जो पर्यावरण को क्षति पहुंचाता है और पर्यावरण पॉल्यूशन को बढ़ावा देता है।

हवा नदी में जहर, राहगीर परेशान, ह॥ रोड में पत्थर का बारिश-ब्लास्टिंग के लिए किसी भी प्रकार का सूचना नहीं दिया जाता जब माफिया चाहे उसी समय ब्लास्टिंग कर देता है, कोई वैध अनुमति के इतना बड़े कांड करना क्या सारंगढ़ पुलिस विभाग जिम्मेदार नहीं है अगर आपातकालीन में किसी व्यक्ति का जान चला जाता है तो किसका जवाब दारी होगा। ब्लास्टिंग इतना जोरो से होता है कि नेशनल हाईवे पर पत्थर की बारिश होती है जो कभी भी किसी भी बड़े हादसे को अंजाम दे सकता है। पूरा विभाग को उमेश ने अपना वश में कर लिया मनचाहे रकम देकर अपनी ओर आकर्षण करके रखा है जो इसके तमाम अवैध धंधों पे पर्दा डालने का काम करता है।

कार्रवाई और विभाग से सवाल, क्या उमेश अधिकारियों से बड़ा बना गया या सब मिलीभगत का खेल-वहीं कुछ सूत्रों का कहना है कि ब्लास्टिंग से परेशान है लेकिन उन पैसे वाले और बड़े आदमी से कैसे लड़े जब अधिकारी उनके कुछ नहीं कर पा रहा है तो हम आम नागरिक किसी का क्या कुछ कर सकते हैं जब कोई बड़ा हादसा होता तो शासन प्रशासन किसके ऊपर कार्रवाई करेगा। कभी भी किसी का जान तक भी जा सकता है क्योंकि नेशनल हाईव से खदान जुड़ी हुई है और जब ब्लास्टिंग होती है तो ब्लास्ट पत्थर रोड में गिरते हैं। ग्रामीण तो परेशान है लेकिन अधिकारी क्यों डर हुए वो स्वतंत्रता से कार्यवाही क्यों नहीं करते? क्या उमेश के अधीन है अधिकारी या फिर सब मिलीभगत का खेल है। अब इस मुद्दे को सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिला के नई कलेक्टर क्या कुछ कदम उठाते हैं।

वृद्ध महिला की मौत, 9 वर्षीय नातिन गंभीर रूप से घायल, गांव में पसरा मातम, पुलिस जांच में जुटी

धरमजयगढ़ /मूक पत्रिका

धरमजयगढ़ थाना क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 15 स्थित चिकटवानी के मुड़ाटिकरा मोहल्ले में शनिवार को एक दर्दनाक और रहस्यमयी घटना सामने आई, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। घटना में एक वृद्ध महिला की मौत हो गई, जबकि उसकी मासूम नातिन गंभीर रूप से घायल हो गई है। घटना के बाद गांव में भय और सन्नाटे का माहौल व्याप्त है। मिली जानकारी के अनुसार मृतका की पहचान मिरीना लकड़ा (लगभग 70 वर्ष) के रूप में हुई है। वहीं गंभीर रूप से घायल बच्ची अगस्तिना लकड़ा (लगभग 9 वर्ष) मृतका की नातिन बताई जा रही है। घायल बच्ची को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।घटना किन परिस्थितियों में हुई, इसका अभी तक स्पष्ट खुलासा नहीं हो सका है। प्रारंभिक आशंका अज्ञात हमलावर द्वारा वारदात को अंजाम दिए जाने की जताई जा रही है। घटना की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। इस हृदयविदारक घटना से पूरे गांव में शोक और दहशत का माहौल है। सूचना मिलते ही धरमजयगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण करते हुए जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर घटना के हर पहलू की जांच में जुटी हुई है।फिलहाल इस रहस्यमयी घटना ने मुड़ाटिकरा मोहल्ले सहित पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। ग्रामीण जल्द से जल्द घटना का खुलासा करने और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। वहीं पुलिस मामले की गंभीरता को देखते हुए हर पहलू से जांच कर रही है।

अधिवक्ता आराधना सिदार हत्याकांड का खुलासा, शादी का दबाव बनने पर प्रेमी ने की हत्या, रायगढ़ पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार..

रायगढ़/मूक पत्रिका

रायगढ़ जिले के पूंजीपथरा थाना क्षेत्र में जंगल में नग्न अवस्था में मिली महिला अधिवक्ता की लाश मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि अधिवक्ता आराधना सिदार की हत्या उसके ही प्रेमी ने की थी। आरोपी ने शादी का दबाव बनने पर सुनियोजित तरीके से हत्या की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। रायगढ़ पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित प्रेस वार्ता में एसएसपी शशि मोहन सिंह ने पूरे मामले का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि मृतिका की पहचान 31 वर्षीय अधिवक्ता आराधना सिदार निवासी ग्राम केकराझरिया, लैलूंगा के रूप में हुई है। हत्या का आरोपी लोकनाथ पटेल निवासी ग्राम चारपारा, थाना सक्ती, जिला सक्ती को गिरफ्तार कर लिया गया है।

जंगल में मिला था महिला का शव-पुलिस के मुताबिक 12 मई को थाना पूंजीपथरा पुलिस को सूचना मिली थी कि ग्राम पूंजीपथरा के कटेल टिकरा जंगल में शासकीय जमीन पर एक अज्ञात महिला का शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही एडिशनल एसपी अनिल सोनी, डीएसपी सुशांतो बनर्जी, थाना प्रभारी रामकिंकर यादव, एफएसएल और डॉग स्क्वॉड टीम मौके पर पहुंची। महिला का शव नग्न अवस्था में मिला था। गांव के कोटवार अयोध्या प्रसाद माझी ने जंगल में लकड़ी लेने के दौरान शव देखकर पुलिस को जानकारी दी थी। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच शुरू की। इसी दौरान थाना चक्रधरनगर में दर्ज गुमशुदगी रिपोर्ट से अहम सुराग मिला। घटनास्थल से मिले कपड़े, सैंडल और फोटो परिजनों को दिखाए गए, जिसके बाद शव की पहचान आराधना सिदार के रूप में हुई।

सीसीटीवी फुटेज और बाइक नंबर से पहुंची पुलिस आरोपी तक-जांच के दौरान पुलिस ने मृतिका के कॉल डिटेल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की। फुटेज में एक युवक बाइक पर महिला को ले जाते दिखाई दिया। बाइक नंबर के आधार पर पुलिस सक्ती निवासी लोकनाथ पटेल तक पहुंची और उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की गई।पूछताछ में आरोपी ने हत्या करना स्वीकार कर लिया। आरोपी ने बताया कि उसका मृतिका के साथ करीब दो साल से प्रेम संबंध था। वह पहले से शादीशुदा था, जबकि मृतिका लगातार शादी करने का दबाव बना रही थी। इसी बात से परेशान होकर उसने हत्या की साजिश रची।

लॉज में रुके, फिर जंगल ले जाकर की हत्या-आरोपी ने पुलिस को बताया कि 10 मई को वह आराधना को बाइक से अपने साथ लेकर पहले सक्ती और दमाऊधारा मंदिर गया। इसके बाद दोनों सक्ती के एक लॉज में रुके, जहां आरोपी ने फर्जी नाम से कमरा लिया। अगले दिन सुबह वह आराधना को सुनसान जंगल क्षेत्र में ले गया और वहां पहले गला दबाकर बेहोश किया, फिर पत्थर और धारदार हथियार से हमला कर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी ने घटनास्थल से सबूत मिटाने की भी कोशिश की। इतना ही नहीं, शक से बचने के लिए उसने मृतिका के मोबाइल से उसकी बहन और सहेलियों को महिला की आवाज निकालकर फोन भी किया, ताकि किसी को घटना की जानकारी न हो सके।

मोबाइल और कपड़े समेत कई सबूत जब्त-पुलिस ने आरोपी के कब्जे से मृतिका का मोबाइल फोन, घटना के समय पहने कपड़े और अन्य महत्वपूर्ण सामान जब्त किया है। आरोपी के खिलाफहत्या का मामला दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी रामकिंकर यादव, एएसआई उमाशंकर विश्वाल और पुलिस टीम की अहम भूमिका रही। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच वैज्ञानिक और तकनीकी आधार पर की गई, जिसके चलते अंधे कत्ल की गुत्थी जल्द सुलझाई जा सकी।

सरिया में मसाला दुकान में चोरी, पीछे की खिड़की तोड़कर जीरा, तिल और मसाला ले गए चोर..

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

सरिया नगर में एक मसाला दुकान को निशाना बनाकर अज्ञात चोरों ने हजारों रुपये के सामान पर हाथ साफ कर दिया। चोर दुकान की पीछे की खिड़की तोड़कर अंदर घुसे और जीरा, तिल समेत मसाले चोरी कर फरार हो गए। मामले की शिकायत पर सरिया पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी मुकेश कुमार अग्रवाल पिता प्रेमचंद अग्रवाल उम्र 46 वर्ष मूल रूप से ग्राम भुक्ता थाना अम्बाभौना जिला बरगढ़ (उड़ीसा) के रहने वाले हैं और वर्तमान में वार्ड क्रमांक 11 सरिया में निवास करते हैं। उनकी सरिया के बस्ती रोड स्थित हनुमान मंदिर के पास मुकेश मसाला नाम से दुकान संचालित है। बताया गया कि 12 मई 2026 की रात करीब 8 बजे मुकेश अग्रवाल दुकान बंद कर घर चले गए थे। उनकी पत्नी अनिता अग्रवाल की तबीयत खराब होने के कारण वे रायपुर चले गए थे। इसके बाद 15 मई की सुबह करीब 9 बजे जब वे दुकान खोलने पहुंचे तो दुकान के पीछे की खिड़की टूटी हुई मिली। अंदर जाकर देखा तो चोर पीछे के रास्ते से दुकान में घुसकर सामान चोरी कर ले गए थे।चोरी हुए सामान में 4 बोरी जीरा शामिल है, जिसमें एक-एक किलो के 30-30 पैकेट भरे हुए थे। इसकी कीमत करीब 19 हजार 200 रुपये बताई गई है। इसके अलावा एक बोरी तिल कीमत 2500 रुपये तथा भारत मिट मसाला के दो कार्टून, जिनमें 42 पैकेट रखे थे, भी चोरी हो गए। कुल चोरी हुए सामान की कीमत 24 हजार 200 रुपये बताई गई है। घटना की सूचना मिलने के बाद सरिया पुलिस ने मौके की जानकारी लेकर अज्ञात आरोपी के खिलाफ धारा 331(4) और 305(ए) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

कूलर का कनेक्शन करते समय युवक को लगा करंट, अस्पताल में मौत, गांव में पसरा मातम..

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

जिले के सरिया तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचधार लिसीपारा में शनिवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। घर में कूलर का कनेक्शन जोड़ते समय एक युवक करंट की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है।मिली जानकारी के अनुसार ग्राम पंचधार लिसीपारा निवासी गगन बारीक पिता स्व. सुशील बारीक उम्र 42 वर्ष शनिवार सुबह करीब 10 बजे घर में कूलर चलाने के लिए बोर्ड से बिजली कनेक्शन जोड़ रहा था। इसी दौरान अचानक उसे तेज करंट लग गया। करंट लगते ही वह मौके पर ही बेहोश होकर गिर पड़ा। घटना देखकर घर में अफरा-तफरी मच गई। परिजनों ने तुरंत उसे संभाला और आनन-फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरिया लेकर पहुंचे। अस्पताल में डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार शुरू किया, लेकिन हालत लगातार बिगड़ती चली गई। कुछ देर बाद डॉक्टरों ने गगन बारीक को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस अस्पताल पहुंची और मर्ग कायम कर पंचनामा कार्रवाई की। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया और आगे की जांच की जा रही है। बताया जा रहा है कि गगन बारीक अपने परिवार का सहारा था। अचानक हुई इस घटना से परिवार पूरी तरह टूट गया है। घर में मातम पसरा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गगन बारीक मेहनतकश और मिलनसार स्वभाव का व्यक्ति था। उसकी अचानक मौत से गांव के लोग भी स्तब्ध हैं। घटना के बाद पंचधार समेत आसपास के क्षेत्रों में शोक की लहर फैल गई है। गांव के लोग भी बड़ी संख्या में मृतक के घर पहुंचकर परिवार को ढांढस बंधा रहे हैं।

सारंगढ़ में नियमों की उड़ रही धज्जियां : जिला दंडाधिकारी के निर्देश के बावजूद बोतल और जेरकिन में बेचा जा रहा पेट्रोल-डीजल

सारंगढ़/मूक पत्रिका

सूत्रों कि माने तो सारंगढ़ शहर के भारत माता चौक के समीप स्थित एक पेट्रोल पंप में जिला दंडाधिकारी के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद खुलेआम जेरकिन, डिब्बा एवं प्लास्टिक बोतलों में पेट्रोल-डीजल दिए जाने का मामला सामने आया है। प्रशासन द्वारा सुरक्षा व्यवस्था और संभावित दुर्घटनाओं को ध्यान में रखते हुए पेट्रोलियम पदार्थों की खुले कंटेनरों में बिक्री पर सख्त रोक लगाई गई है, इसके बावजूद नियमों की अनदेखी जारी है। स्थानीय लोगों के अनुसार पेट्रोल पंप में बिना किसी जांच-पड़ताल के लोगों को बोतल और जेरकिन में आसानी से पेट्रोल-डीजल उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे जहां एक ओर सुरक्षा संबंधी खतरा बढ़ रहा है, वहीं प्रशासनिक आदेशों की गंभीरता पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। गर्मी के मौसम में ज्वलनशील पदार्थों का इस प्रकार खुले कंटेनरों में परिवहन बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकता है।जानकारों का कहना है कि जिला प्रशासन ने पूर्व में कानून व्यवस्था एवं सुरक्षा कारणों से स्पष्ट निर्देश जारी किए थे कि किसी भी व्यक्ति को बोतल, गैलन या अन्य असुरक्षित पात्रों में पेट्रोल-डीजल नहीं दिया जाएगा। इसके लिए पेट्रोल पंप संचालकों को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश भी दिए गए थे। बावजूद इसके नियमों का पालन नहीं होना प्रशासनिक निगरानी पर सवाल खड़े कर रहा है। मामले को लेकर क्षेत्रवासियों में नाराजगी देखी जा रही है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि संबंधित पेट्रोल पंप की जांच कर कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में किसी प्रकार की अप्रिय घटना से बचा जा सके। वहीं यह भी चर्चा है कि यदि समय रहते सख्ती नहीं बरती गई तो इस प्रकार की लापरवाही बड़े हादसे का रूप ले सकती है।

CM के 'सुशासन शिविर' में स्वास्थ्य विभाग की बड़ी लापरवाही: महिला की बिगड़ी तबीयत, न डॉक्टर मिले न स्ट्रेचर; भाजपा कार्यकर्ताओं ने संभाला मोर्चा

रायगढ़/मूक पत्रिका

खरसिया विधानसभा क्षेत्र के ग्राम कुसुमुरा में आयोजित प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के 'सुशासन धन्यवाद शिविर' और भूमिपूजन कार्यक्रम में जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की एक बड़ी और गंभीर लापरवाही उजागर हुई है। हजारों की भीड़ वाले इस अति-महत्वपूर्ण आयोजन में आकस्मिक चिकित्सा और प्राथमिक उपचार जैसी बुनियादी सुविधाएं ही नदारद रहीं, जिसने मौके पर की गई प्रशासनिक व्यवस्थाओं की पोल खोल कर रख दी।

बिहान समूह की महिला की अचानक बिगड़ी तबीयत-जानकारी के अनुसार, कार्यक्रम पूरे शबाब पर था और हजारों की संख्या में लोग मौजूद थे। इसी दौरान कार्यक्रम में शामिल होने आई 'बिहान समूह' की एक महिला दीदी की अचानक तबीयत बिगड़ गई। ऐसी आपात स्थिति में जब तत्काल मेडिकल सहायता की दरकार थी, तब मौके पर स्वास्थ्य विभाग की कोई टीम या फर्स्ट-एड की सुविधा मौजूद नहीं थी। हद तो तब हो गई जब बेसुध हो रही महिला को सुरक्षित स्थान तक ले जाने के लिए एक अदद स्ट्रेचर तक की व्यवस्था प्रशासन नहीं कर पाया था।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने दिखाई मानवता, बचाई जान-प्रशासनिक अमले की इस घोर लापरवाही और अफरा-तफरी के बीच मौके पर मौजूद भाजपा कार्यकर्ताओं ने तत्परता और मानवता का परिचय दिया। उन्होंने बिना समय गंवाए तत्काल मोर्चा संभाला, महिला को भीड़ से निकालकर सुरक्षित जगह पर बैठाया, पानी उपलब्ध कराया और इलाज की फौरी व्यवस्था कर स्थिति को बिगड़ने से बचा लिया। स्थानीय प्रत्यक्षदर्शियों का स्पष्ट कहना है कि यदि सही समय पर ये कार्यकर्ता आगे आकर मदद नहीं करते, तो कार्यक्रम की व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े हो सकते थे और कोई बड़ी अनहोनी भी हो सकती थी।

प्रशासन की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल, ग्रामीणों में आक्रोश-इस घटना ने जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर बड़ा प्रश्नचिह्न लगा दिया है। कार्यक्रम में मौजूद लोगों में इस अव्यवस्था को लेकर भारी आक्रोश देखने को मिला। ग्रामीणों का कहना है कि जब सूबे के मुखिया (मुख्यमंत्री) के कार्यक्रम में आम जनता की सुरक्षा और स्वास्थ्य को लेकर इतनी बड़ी कोताही बरती जा सकती है, तो यह बेहद शर्मनाक स्थिति है। यह सीधे तौर पर विभागीय अधिकारियों की उदासीनता को दर्शाता है।

गोवा में रायगढ़ पुलिस की रेड, करोड़ों के हवाला नेटवर्क के साथ मन्नू नथानी गैंग के 6 हाई-प्रोफाइल खाईवाल गिरफ्तार, खरसिया का 1 और रायपुर के 5 सटोरिए दबोचे गए

मध्य भारत के सबसे बड़े ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा सिंडिकेट का भंडाफोड़

रायगढ़ /मूक पत्रिका

रायगढ़ पुलिस ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के कुशल एवं आक्रामक नेतृत्व में मध्य भारत के अब तक के सबसे बड़े ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा और हवाला नेटवर्क को ध्वस्त करने में एक ऐतिहासिक सफलता हासिल की है। पुलिस की विशेष टीम ने कुख्यात 'मन्नू नथानी' गैंग के आर्थिक साम्राज्य पर सीधा प्रहार करते हुए गोवा के कैंडोलिम बीच क्षेत्र में स्थित एक आलीशान किराए के विला में संगठित छापामार कार्रवाई को अंजाम दिया। इस हाई-प्रोफाइल रेड के दौरान पुलिस ने सट्टा सिंडिकेट के छह मुख्य संचालकों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है, जो देश के अलग-अलग हिस्सों में बैठकर करोड़ों रुपये का सट्टा बाजार चला रहे थे। पकड़े गए सटोरियों के पास से मौके पर 10 नग मोबाइल फोन, हिसाब-किताब के दस्तावेज और भारी मात्रा में डिजिटल साक्ष्य जब्त किए गए हैं। इस रैकेट के तार रायगढ़, रायपुर, सक्ती, खरसिया और नागपुर से होते हुए सीधे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दुबई से जुड़े हुए थे, जहां से महादेव सट्टा ऐप की तर्ज पर पूरा आर्थिक चैनल संचालित हो रहा था।

पुरानी गिरफ्तारियों की कड़ियों से खुला अंतर्राज्यीय हवाला लिंक-इस व्यापक नेटवर्क के भंडाफोड़ की कहानी हाल ही में रायगढ़ के थाना कोतवाली में दर्ज अपराध क्रमांक 217/2026 एवं 218/2026 के साथ शुरू हुई। पुलिस ने इन मामलों में छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम की धारा 4 और 7 के तहत आरोपी करन चौधरी उर्फ करन अग्रवाल, पुष्कर अग्रवाल तथा सुनील अग्रवाल को हिरासत में लिया था। इन आरोपियों से पुलिसिया अंदाज में की गई कड़ाई से पूछताछ के दौरान पहली बार खरसिया निवासी अमित मित्तल के सट्टा सिंडिकेट और करोड़ों रुपये के हवाला लेनदेन के पुख्ता सुराग मिले। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए एसएसपी के निर्देश पर साइबर थाना और कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम ने तकनीकी निगरानी का एक जाल बुना। इस सर्विलांस के जरिए तकनीकी इनपुट मिले कि पुलिस से बचने के लिए इस गैंग के मुख्य खाईवाल छत्तीसगढ़ से हैदराबाद और मुंबई होते हुए गोवा भाग गए हैं और वहीं से पूरा सट्टा साम्राज्य ऑपरेट कर रहे हैं।

सबूत नष्ट करने की फिराक में थे आरोपी, गोवा के विला घेरकर दबोचा-आरोपियों की सटीक लोकेशन मिलते ही एसएसपी शशि मोहन सिंह के कड़े निर्देशन तथा नगर पुलिस अधीक्षक (सीएसपी) मयंक मिश्रा और डीएसपी उत्तम प्रताप सिंह के जमीनी नेतृत्व में साइबर थाना रायगढ़ की एक विशेष टीम को तुरंत गोवा रवाना किया गया। पुलिस टीम ने कैंडोलिम बीच इलाके के उस विला की घेराबंदी की जहां सट्टा चल रहा था। पुलिस की दबिश के दौरान वहां सट्टे का पूरा सेटअप खुला हुआ था। जैसे ही सटोरियों को पुलिस के आने की भनक लगी, विला के भीतर हड़कंप मच गया। आरोपी आनन-फानन में अपने कॉलिंग फोन, लैपटॉप, हिसाब-किताब की डायरियां और अन्य महत्वपूर्ण डिजिटल दस्तावेजों को नष्ट कर फरार होने की फिराक में थे। लेकिन पुलिस टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए उन्हें मौका ही नहीं दिया और मौके से खरसिया के अमित मित्तल सहित रायपुर के मोहित सोमानी, प्रकाश वाधवानी, आकाश मोटवानी, राहुल खंडेलवाल उर्फ बाबू और सुलभ खंडेलवाल उर्फ छोटा बाबू को रंगे हाथों दबोच लिया।

हाइटेक सट्टेबाजी का खुलासा, समय का एडवांटेज लेने के तीन शातिर तरीके-पकड़े गए खाईवालों के मोबाइल डेटा और तकनीकी विश्लेषण से यह बेहद चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि यह सिंडिकेट क्रिकेट जगत में सट्टेबाजी के लिए बेहद परिष्कृत और हाइटेक तरीकों का इस्तेमाल कर रहा था। पूछताछ में सट्टा चलाने के तीन प्रमुख तरीके सामने आए। पहले तरीके के तहत सटोरिए 'अभिनंदन बुक या लाइन' के माध्यम से सीधे रायपुर से क्रिकेट सेशन का भाव लेते थे, जिसके बाद वे एपीके (क्य़) आधारित जूम ऐप पर जुड़कर अपने नीचे काम करने वाले छोटे बुकीज और प्लेयर्स तक भाव डिस्ट्रीब्यूट करते थे। दूसरे तरीके में, ये शातिर अपराधी मैच के सीधे प्रसारण में मिलने वाले समय का बेजा फायदा उठाते थे। इन्होंने अपने फोन में एपीके फाइल के जरिए 'प्रगति टीवी ऐप' और 'स्टार लाइव' जैसे प्रतिबंधित ऐप्स डाउनलोड कर रखे थे, जिन पर सामान्य टीवी प्रसारण की तुलना में लगभग 7 सेकंड पहले मैच लाइव दिखता था। इस 7 सेकंड के एडवांटेज का लाभ लेकर वे कॉलिंग वर्चुअल ऐप पर पहले से जुड़े नीचे के खाईवालों को तुरंत भाव बताकर ठगी करते थे। तीसरे तरीके के रूप में, वे महादेव ऐप की ही तरह 'ऑल पैनल एक्सचेंज', 'ताज 777' और 'डायमंड एक्सचेंज' जैसे बड़े ऑनलाइन बेटिंग ऐप्स की आईडी ग्राहकों को उपलब्ध कराते थे, जिस पर उन्हें सीधे 10 प्रतिशत तक का मोटा कमीशन मिलता था।

सीरियल नंबर वाले नोटों का खेल और मन्नू नथानी गैंग का अप-लिंक-जांच में यह बात भी पुख्ता हुई है कि इस अवैध सट्टा व्यापार को सहारा देने के लिए एक समानांतर हवाला नेटवर्क काम कर रहा था। आरोपियों के मोबाइल से मिले चैट और साक्ष्यों से साफहुआ है कि ये सटोरिए रुपयों के भौतिक लेनदेन से बचने के लिए नोटों के सीरियल नंबर एक-दूसरे से साझा करते थे और केवल इसी भरोसे के आधार पर करोड़ों की रकम इधर से उधर ट्रांसफर हो जाती थी। इस नेटवर्क की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इस मामले में जुड़े अन्य आरोपियों से पूर्व में ही एक करोड़ रुपये से अधिक की भारी-भरकम नकदी जब्त की जा चुकी है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, गिरफ्तार सभी छह आरोपियों का पुराना आपराधिक इतिहास है। गिरोह का मुख्य लीडर मोहित सोमानी है, जिस पर रायपुर के कई थानों में सट्टे के मामले दर्ज हैं और उसके संबंध खाईवाल करन चौधरी से भी रहे हैं। वहीं अमित मित्तल पर भी खरसिया कोतवाली, चक्रधरनगर और घरघोड़ा थानों में ऑनलाइन क्रिकेट सट्टे के केस दर्ज हैं। ये सभी आरोपी पहले मन्नू नथानी गिरोह से एजेंट के तौर पर जुड़े थे, जो धीरे-धीरे खुद बड़े सट्टा केबल के मालिक बन बैठे। इन्हें दुबई से बड़े खाईवालों के जरिए सट्टा आईडी मिलती थी, जिसे ये मध्य भारत के नागपुर और रायपुर जैसे बड़े शहरों में खपाते थे।

कप्तान की दोटूक: संगठित अपराधों और माफियाओं का होगा समूल नाश-इस बेहद कामयाब और साहसिक ऑपरेशन पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए एसएसपी श्री शशि मोहन सिंह ने जिले के अपराधियों को कड़ा संदेश दिया है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि रायगढ़ पुलिस संगठित अपराध, ऑनलाइन सट्टा माफिया और हवाला सिंडिकेट के खिलाफ पूरी तरह से आक्रामक रुख अपनाए हुए है। समाज में अवैध कारोबार के जरिए आर्थिक ताना-बाना बिगाड़ने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। तकनीक के जरिए अपराध करने वाले अपराधियों से पुलिस और भी ज्यादा आधुनिक होकर निपट रही है और यह कार्रवाई तब तक जारी रहेगी जब तक ऑनलाइन सट्टा माफिया के पूरे नेटवर्क को जड़ से खत्म नहीं कर दिया जाता।

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश की पद्मा नदी पर मेगा बैराज परियोजना को मंजूरी

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश ने बुधवार को पद्मा नदी पर एक बड़ी बैराज परियोजना को मंजूरी दी। इसका उद्देश्य भारत के फरक्का बैराज के नकारात्मक प्रभाव को कम करना है। यह मंजूरी भारत-बांग्लादेश गंगा जल साझाकरण संधि की समाप्ति से पहले आई है। प्रधानमंत्री तारिक रहमान की अध्यक्षता में ईसीएनईसी ने पहले चरण को मंजूरी दी। इसकी अनुमानित लागत 34,497.25 करोड़ टका (लगभग 28 करोड़ अमेरिकी डॉलर) है। जल संसाधन मंत्री शाहिद उद्दीन चौधरी अनी ने इसे राष्ट्रीय हित का मामला बताया। उन्होंने कहा कि इस पर भारत से किसी चर्चा की आवश्यकता नहीं है। परियोजना का लक्ष्य प्रमुख नदी प्रणालियों को बहाल करना और खारे पानी को रोकना है। हालांकि, स्वतंत्र विशेषज्ञों ने पर्यावरणीय परिणामों पर चिंता व्यक्त की है। इस फैसले के बीच भू-विज्ञानी अहाद चौधरी ने तलछट की कमी और डेल्टा पारिस्थितिकी तंत्र से जुड़े खतरों को लेकर आगाह किया है।

न्यूयॉर्क गवर्नर ने शेफ विकास खन्ना को किया सम्मानित

अल्बानी, एजेंसी। मशहूर शेफ विकास खन्ना न्यूयॉर्क राज्य में एशियाई अमेरिकी और प्रशांत द्वीप वासी (एएपीआई) विरासत माह के दौरान सम्मानित होने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होचुल ने अल्बानी में आयोजित समारोह में खन्ना को उनके उत्कृष्ट कलात्मक और पाक कला में योगदान के लिए विशेष प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। अमृतसर में जन्मे खन्ना को हाल ही में टाइम पत्रिका ने 2026 के दुनिया के 100 सबसे प्रभावशाली लोगों की सूची में भी शामिल किया था।

लेबनान में इस्राइली हवाई हमले में 12 लोगों की मौत, संघर्ष जारी

बेरूत, एजेंसी। लेबनान में बुधवार को इस्राइली हवाई हमलों में 12 लोग मारे गए, जिनमें एक महिला और उसके दो बच्चे शामिल थे। लेबनानी स्वास्थ्य मंत्रालय ने इसकी पुष्टि की। इस्राइली सेना ने दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह के बुनियादी ढांचे पर हमला करने की बात कही। हमलों में बेरूत के दक्षिण में मुख्य राजमार्ग पर सात वाहन प्रभावित हुए। संयुक्त राष्ट्र ने हिजबुल्लाह पर दक्षिणी लेबनान में शांति सेना के पास ड्रोन हमलों का आरोप लगाया है। महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने दोनों पक्षों से युद्धविराम का पालन करने को कहा है। 2 मार्च को शुरू हुए इस युद्ध में अब तक 2,896 लोग मारे गए और 8,824 घायल हुए हैं। 17 अप्रैल के अमेरिकी-ब्रोकर युद्धविराम के बावजूद दोनों पक्ष एक-दूसरे पर हमले कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक बीते कई हफ्ते से जारी टकराव के बीच अब लेबनान और इस्राइल गुरुवार को अमेरिका में सीधी बातचीत करने वाले हैं।

ब्राजील में चुनाव से पांच महीने पहले फंसे सीनेटर बोल्सोनारो

ब्रासीलिया, एजेंसी। दक्षिण अमेरिकी देश ब्राजील में इसी साल अक्तूबर में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव कराए जाने हैं। चुनाव से पांच महीने सीनेटर फ्लेवियो बोल्सोनारो पर एक बैंकर से लाखों रुपये मांगने के आरोप लगे हैं।बुधवार को जेल में बंद बैंकर डैनियल वोरकारो से लाखों रुपये मांगने के आरोप सामने आने के बाद उन्होंने इसे सिरे से खारिज कर दिया। माना जा रहा है कि ये गंभीर आरोप राष्ट्रपति चुनाव में उनकी उम्मीदवारी को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इंटरसेप्ट ब्राजील ने वोरकारो के वॉइस मैसेज के हवाले से जारी ब्योरे प्रकाशित किए हैं। इनमें बोल्सोनारो ने कथित तौर पर अपने पिता जायर बोल्सोनारो के जीवन पर फिल्म 'द डार्क हॉर्स' की एवज में 61 मिलियन रियाल (करीब 12 मिलियन अमेरिकी डॉलर) मांगते सुने गए हैं। वोरकारो ब्राजील में भ्रष्टाचार और घोटाले के एक बड़े केंद्र के रूप में बदनाम हैं। फ्लेवियो बोल्सोनारो ने किसी अवैध लाभ की पेशकश या पैसा लेने से इन्कार किया है। राजनीतिक सलाहकार थॉमस ट्रॉमन के मुताबिक यह घोटाला बोल्सोनारो के अभियान को बुरी तरह प्रभावित कर सकता है। नवंबर में देश के केंद्रीय बैंक के सख्त आदेश के बाद बैंको मास्टर बंद हो गया।

व्हाइट हाउस बोला- सिर्फ औपचारिकता निभाने नहीं गए हैं ट्रंप; ताइवान मुद्दा सबसे अहम

वॉशिंगटन /बीजिंग, एजेंसी। ताइवान का मुद्दा भी इस बैठक में अहम रहने वाला है। चीन ताइवान को अपना हिस्सा मानता है, जबकि अमेरिका ताइवान को हथियार देने की तैयारी कर रहा है। ट्रंप प्रशासन ने ताइवान के लिए 11 अरब डॉलर के हथियार पैकेज को मंजूरी दी है, हालांकि उसकी डिलीवरी अभी शुरू नहीं हुई है। ताइवान दुनिया में चिप निर्माण का बड़ा केंद्र है और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस उद्योग के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। ट्रंप अमेरिका में चिप उत्पादन बढ़ाने के लिए ताइवान के साथ व्यापारिक सहयोग मजबूत करना चाहते हैं। इसी सिलसिले में एनवीडिया के सीईओ जेन्सेन हुआंग भी अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा बने हैं। ट्रंप के साथ विदेश मंत्री मार्को रुबियो, ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ भी चीन पहुंचे हैं। इसके अलावा टेक, रक्षा, कृषि और वित्त क्षेत्र के कई बड़े कारोबारी भी प्रतिनिधिमंडल में शामिल हैं। व्हाइट हाउस का कहना है कि ट्रंप इस दौरे पर

सिर्फ औपचारिकता निभाने नहीं गए हैं, बल्कि कुछ ठोस परिणाम चाहते हैं। अमेरिकी प्रशासन को उम्मीद है कि चीन अमेरिकी सोयाबीन, बीफ और विमानों की खरीद बढ़ाने का एलान कर सकता है। साथ ही दोनों देशों के व्यापारिक विवाद सुलझाने के लिए 'बोर्ड ऑफ ट्रेड' जैसी व्यवस्था पर भी चर्चा हो सकती है। हालांकि अभी तक किसी भी संभावित समझौते की स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। इस दौरे के दौरान सबसे बड़ा मुद्दा ईरान बना हुआ है। अमेरिका और इस्राइल के साथ ईरान के युद्ध ने वैश्विक ऊर्जा बाजार को झटका दिया है। होर्मुज जलडमरूमध्य के प्रभावित होने से तेल और गैस आपूर्ति बाधित हुई है और ऊर्जा कीमतों में उछाल आया है। ऐसे में ट्रंप चीन से ईरान पर दबाव डालने की कोशिश कर सकते हैं, क्योंकि चीन ईरानी तेल का सबसे बड़ा खरीदार है।

रिपोर्ट के अनुसार, जिनपिंग ने कहा कि ताइवान के मुद्दे को अमेरिका गलत तरीके से न संभाले, इसे लेकर चीन-अमेरिका में संघर्ष हो सकता है। बता दें कि, ट्रंप के चीन पहुंचने से पहले अमेरिका में स्थित चीन के दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक बयान जारी कर अमेरिका को चेतावनी दी थी। चीन ने कहा कि अमेरिका-चीन संबंधों में 'चार लाल रेखाएं' हैं, जिन्हें चुनौती नहीं दी जानी चाहिए। चीन ने जिन चार मुद्दों को सबसे संवेदनशील बताया, उनमें ताइवान का सवाल, लोकतंत्र और मानवाधिकार, दोनों देशों की राजनीतिक व्यवस्था और चीन के विकास का अधिकार शामिल हैं।

मैक्रों थप्पड़ विवाद: पत्रकार का दावा- ईरानी अभिनेत्री से चैट देख भड़कीं थीं फ्रांस के राष्ट्रपति की पत्नी

पेरिस, एजेंसी। 2025 में वियतनाम में विमान से उतरते समय ब्रिगिट मैक्रों ने अपने पति इमैनुएल मैक्रों को धक्का दिया था। एक नई किताब के अनुसार, यह घटना इमैनुएल द्वारा एक ईरानी अभिनेत्री को भेजे गए संदेशों के कारण हुई थी। इस घटना ने 2025 में काफी सुर्खियां बटोरी थीं। दंपती ने इसे मजाक बताकर खारिज कर दिया था।

फ्लोरियन टार्डिफ की नई किताब 'अन कपल (प्रेस्क) पारफे' में यह दावा किया गया है। टार्डिफ ने बताया कि ब्रिगिट, इमैनुएल के निर्वासित ईरानी-फ्रांसीसी अभिनेत्री गोल्शिफतेह फराहानी को भेजे गए संदेशों से नाराज थीं। पेरिस मैच पत्रिका के राजनीतिक संवाददाता टार्डिफ का आरोप है कि 73 वर्षीय ब्रिगिट को डर था कि उनके 48 वर्षीय पति अभिनेत्री के लिए उन्हें छोड़ सकते हैं। फराहानी ने पत्रकारों के सवालों पर अफेयर की अफवाहों से इन्कार किया है। उन्होंने कहा कि उनका संबंध केवल भावनात्मक था। टार्डिफ ने आरटीएल रेडियो को बताया कि संदेशों की सामग्री 'काफी आगे' बढ़ गई थी। इसमें 'आप बहुत सुंदर लगती हैं' जैसी टिप्पणियां शामिल थीं। दंपती के एक करीबी व्यक्ति ने टार्डिफ को यह जानकारी दी। ब्रिगिट ने एक ऐसा संदेश पढ़ा था जो उन्हें कभी नहीं पढ़ना चाहिए था। इसके बाद उनके बीच 'सामान्य से अधिक लंबा और कठोर विवाद' हुआ। पेरिस मैच में प्रकाशित एक अंश के अनुसार, ब्रिगिट को संदेश की सामग्री से उतना दुख नहीं हुआ।

ईरान ने यूएई को धमकाया: अराघची बोले- इस्राइल से साठगांठ पड़ेगी महंगी, अरब ने नेतन्याहू के दावों को नकारा

तेहरान, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने इस्राइल के साथ किसी भी प्रकार की गुप्त साठगांठ के खिलाफ सख्त चेतावनी जारी की है। यह बयान इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के उस दावे के बाद आया है, जिसमें उन्होंने संयुक्त अरब अमीरात की गुप्त यात्रा की बात कही थी। ईरान ने कहा कि इस्राइल के साथ मिलकर साजिश रचने वालों को इसका अंजाम भुगतना होगा।

इस्राइली प्रधानमंत्री कार्यालय ने बुधवार को एक बयान जारी किया। इसमें दावा किया गया कि 'ऑपरेशन रोरिंग लायन' के दौरान पीएम नेतन्याहू ने यूएई की गुप्त यात्रा की थी। इस दौरान उन्होंने यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से मुलाकात की। इस्राइल ने इसे दोनों देशों के रिश्तों में एक 'ऐतिहासिक सफलता' करार दिया। हालांकि, यूएई के विदेश मंत्रालय ने इन खबरों को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। यूएई ने कहा कि इस्राइली पीएम की कोई यात्रा नहीं हुई और न ही किसी सैन्य प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया गया।

ईरान की सुरक्षा सेवाओं ने पहले ही बता दिया था- अराघची

विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ङ्क' पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि नेतन्याहू के संदेश ने उस सच को सार्वजनिक कर दिया है, जिसकी जानकारी ईरानी सुरक्षा सेवाएं पहले ही नेतृत्व को दे चुकी थीं। अराघची ने चेतावनी दी कि ईरान के महान लोगों के साथ दुश्मनी करना एक मूर्खतापूर्ण जुआ है। उन्होंने कहा कि विभाजन पैदा करने के लिए इस्राइल के साथ सहयोग करना एक अक्षम्य अपराध है और ऐसे तत्वों की जवाबदेही तय की जाएगी।

क्षेत्रीय सुरक्षा और सैन्य सहयोग के कयास: रिपोर्ट्स के अनुसार, इस्राइल ने ईरान के साथ युद्ध के दौरान यूएई को 'आयरन डोम' बैटरी और सैनिक भेजे थे। मीडिया रिपोर्ट्स यह भी दावा करती हैं कि मोसाद प्रमुख डेविड बार्निया ने संघर्ष के दौरान कम से कम दो बार यूएई का दौरा किया था। चर्चा यह भी है कि दोनों देशों ने ईरान के एक प्रमुख पेट्रोकेमिकल साइट पर हमले के लिए समन्वय किया था। यूएई ने इन सभी दावों को बेबुनियाद बताया है। उनका कहना है कि इस्राइल के साथ उनके संबंध अब्राहम समझौते के तहत सार्वजनिक और आधिकारिक हैं।

मोरक्को में लापता 19 वर्षीय अमेरिकी सैनिक मारिया सिमोन का शव 12 दिन बाद बरामद

रबात, एजेंसी। मोरक्को में सैन्य अभ्यास के दौरान लापता हुए दूसरे अमेरिकी सैनिक का शव मिला है। अमेरिकी सेना ने बुधवार को यह जानकारी दी। 19 वर्षीय मारिया सिमोने कोलिंगटन फ्लोरिडा के टावेरेस की निवासी थीं। वह मोरक्को में एक मनोरंजक पदयात्रा के दौरान एक चट्टान से गिर गई थीं। कोलिंगटन एयर एंड मिसाइल डिफेंस क्रू मेंबर के रूप में कार्यरत थीं। वह चार्ली बैटरी, 5वीं बटालियन, चौथी एयर डिफेंस आर्टिलरी रेजिमेंट में तैनात थीं। इससे पहले, पिछले सप्ताह पहले सैनिक, केंड्रिक लैमोंट की का शव भी बरामद किया गया था। दोनों सैनिक 2 मई को 'अफ्रीकन लायन' सैन्य अभ्यास के बाद लापता हुए थे। इस घटना से जुड़े विवरणों की अभी भी जांच की जा रही है।

फ्लोरिडा विमान दुर्घटना: पांच घंटे तक फंसे रहे 11 यात्री, अमेरिकी सेना ने बचाया अमेरिका में फ्लोरिडा तट पर हुई विमान दुर्घटना के बाद 11 लोग पांच घंटे तक जीवन रक्षक बेड़े पर फंसे रहे। अमेरिकी सेना ने कड़ी मशक्कत के बाद इन्हें सुरक्षित बचाया। मंगलवार को इंजन फेल होने के बाद पायलट ने विमान को वेरो बीच से करीब 80 किलोमीटर दूर पानी में उतारा था। बहामास से फ्रीपोर्ट जा रहे विमान की आपात लैंडिंग के बाद पायलट ने 10 यात्रियों सहित खुद को जीवन रक्षक बेड़े पर पहुंचाया। तीन लोगों को मामूली चोटें थीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस आपात परिस्थिति में पांच घंटे तक सभी लोग तूफान के बीच मदद का इंतजार करते रहे। विमान में लगे आपातकालीन संकेतक की मदद से तटरक्षक बल को अलर्ट मिला, जिसके बाद वायु सेना रिजर्व के बचाव दल ने सभी लोगों का रेस्क्यू किया। वायुसेना अधिकारी मेजर एलिजाबेथ पिओवाटी ने पायलट के प्रयासों को चमत्कारी बताया। पायलट समेत सभी 11 लोगों को मेलबर्न ऑरलैंडो अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ले जाया गया, जहां उनकी हालत स्थिर है। संघीय विमानन प्रशासन दुर्घटना की जांच कर रहा है।

कुमार मंगलम बिड़ला फिर से वोडाफोन आइडिया के गैर-कार्यकारी अध्यक्ष बने

मुंबई, एजेंसी। वोडाफोन आइडिया लिमिटेड के बोर्ड ने कुमार मंगलम बिड़ला को गैर-कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त करने को मंजूरी दे दी है, जिससे उनकी कंपनी के शीर्ष पद पर वापसी हुई है। श्री बिड़ला की नियुक्ति 5 मई 2026 से प्रभावी है। उन्होंने यह पद रविंदर टक्कर से संभाला है, जो अब गैर-कार्यकारी उपाध्यक्ष की भूमिका में आ गए हैं। यह बदलाव कंपनी द्वारा जारी हालिया स्टॉक एक्सचेंज नोटिफिकेशन के अनुसार वोडाफोन आइडिया लिमिटेड के बोर्ड द्वारा स्वीकृत किया गया है। इस घटनाक्रम को निवेशकों और ऋणदाताओं के विश्वास के लिए काफी सकारात्मक माना जा रहा है, खासकर ऐसे समय में जब वोडाफोन आइडिया 25,000 करोड़ के कर्ज जुटाने के लिए उन्नत स्तर की बातचीत कर रही है। कंपनी अगले तीन वर्षों में लगभग 45,000 करोड़ के निवेश के साथ तेज़ नेटवर्क विस्तार की तैयारी भी कर रही है, जिसका लक्ष्य दो अंकों में राजस्व वृद्धि हासिल करना और अपने ईबीआईटीडीए को तीन गुना करना है।

आदित्य बिड़ला हेल्थ इंश्योरेंस ने लॉन्च किया एक्टिव युवा, युवा भारत के लिए वेलनेस-फर्स्ट हेल्थ इंश्योरेंस प्लान

मुंबई, एजेंसी। आदित्य बिड़ला कैपिटल की हेल्थ इंश्योरेंस शाखा आदित्य बिड़ला हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (एबीएचआईसीएल) ने एक्टिव युवा लॉन्च करने की घोषणा की। यह एक स्वास्थ्य केंद्रित बीमा योजना है, जिसे युवा भारतीयों की बदलती जीवनशैली और वेलनेस जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इस प्लान के साथ एक व्यापक वेलनेस प्रोग्राम भी शुरू किया गया है, जो एबीएचआईसीएल के हेल्थरिटर्न्स प्रस्ताव पर आधारित है और लोगों को पोषण, फिटनेस और रिकवरी जैसी रोजमर्रा की स्वस्थ आदतों के लिए पुरस्कृत करता है।एबीएचआईसीएल अपने हेल्थरिटर्न्सइ मॉडल के जरिए हेल्थ इंश्योरेंस को हेल्थ एश्योरेंस के रूप में नए सिरे से परिभाषित कर रही है। यह मॉडल रोज 10,000 या उससे ज्यादा कदम चलने या एक ही व्यायाम सत्र में 300 कैलोरी जलाने जैसी गतिविधियों के लिए स्वस्थ जीवनशैली को पुरस्कृत करता है। जो ग्राहक लगातार सक्रिय रहते हैं और जिनका हेल्दी हार्ट स्कोरइ अच्छा है, वे अपने सालाना प्रीमियम का 100त्न तक वापस पा सकते हैं। नया एक्टिव युवा प्लान इस प्रस्ताव को तीन स्तंभों पर आधारित एक व्यवहार से जुड़े पुरस्कार कार्यक्रम के साथ और मजबूत बनाता है। ये तीन स्तंभ हैं- ईट, मूव और हील, जो न्यूनतम एक्टिव डेज़ की शर्त पूरी करने वाले ग्राहकों को शारीरिक गतिविधि से परे भी उनकी समग्र स्वस्थ आदतों के लिए पुरस्कृत करते हैं।

35 साल की महिला ने पति को जहर देकर मारा: बच्चों के लिए किताब भी लिखी, अब अदालत से आजीवन कारावास

पार्क सिटी (यूटा), एजेंसी। अमेरिका के यूटा राज्य की एक महिला को उसके पति की हत्या के मामले में बिना पैरोल उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। बुधवार को एक जज ने यह फैसला सुनाया। महिला ने अपने पति की मौत के बाद बच्चों के लिए एक ऐसी किताब लिखी थी, जिसमें उनके पिता को खोने के दुख के बारे में बताया गया था।

कोरी रिचिन्स नाम की इस महिला को मार्च महीने में हत्या का दोषी पाया गया था। उस पर आरोप था कि उसने साल 2022 में पार्क सिटी के पास घर में अपने पति एरिक रिचिन्स के कॉकटेल ड्रिंक में फेंटेनाइल (बहुत तेज असर करने वाली दर्द कम करने की दवा) को मात्रा से पांच गुना ज्यादा मिलाकर उसे मार दिया।

जूरी ने कोरी रिचिन्स को चार अन्य गंभीर अपराधों में भी दोषी माना। इनमें बीमा धोखाधड़ी, फर्जी दस्तावेज बनाना और हत्या की कोशिश जैसे मामले शामिल हैं। आरोप था कि उसने वैलेंटाइन डे से कुछ हफ्ते पहले भी अपने पति को फेंटेनाइल मिला सैंडविच देकर जहर देने की कोशिश की थी। बचाव पक्ष ने कहा है कि वह इस फैसले और सजा के खिलाफ अपील करेगा।

जज रिचर्ड मराजी ने सजा सुनाते समय कहा, जो व्यक्ति ऐसे अपराध करता है, वह कभी भी आजाद रहने के लायक नहीं है। जिस दिन सजा सुनाई गई, उसी दिन एरिक रिचिन्स का 44वां जन्मदिन था। सरकारी वकीलों ने कहा कि 35 साल की कोरी रिचिन्स रियल एस्टेट का काम करती थी और घर खरीदकर बेचने का कारोबार भी करती थी। उस पर करोड़ों रुपये का कर्ज था

और वह किसी दूसरे आदमी के साथ नया जीवन शुरू करने की योजना बना रही थी। जांच में यह भी सामने आया कि उसने अपने पति की जानकारी के बिना उनके नाम पर कई जीवन बीमा पॉलिसी खुलवाई थीं। उसे यह गलतफहमी थी कि पति की मौत के बाद उसे 40 लाख डॉलर से ज्यादा की संपत्ति मिल जाएगी। कोरी रिचिन्स जेल की हरे रंग की वर्दी पहनकर अदालत में खड़ी हुई और अपने बेटों से (जो अदालत में मौजूद नहीं थे) कहा- कृपया मुझसे उम्मीद मत छोड़ना। कोरी रिचिन्स को कई दशक से लेकर पूरी जिंदगी तक जेल में रहना पड़ सकता है। वह लगातार खुद को निर्दोष बताती रही है। बुधवार को भी उसने कहा कि अदालत का फैसला 'पूरी तरह झूठ' है। जूरी ने उसे चार अन्य अपराधों में भी दोषी पाया। इनमें वैलेंटाइन डे के समय अपने पति को फेंटेनाइल मिला सैंडविच देकर मारने की कोशिश का मामला भी शामिल था। एरिक रिचिन्स के पिता यूजीन रिचिन्स ने जज से अपील की कि कोरी को बिना पैरोल उम्रकैद की सजा दी जाए, ताकि उनके पोतों की सुरक्षा हो सके। जब एरिक की मौत हुई थी, तब उनके तीनों बेटे 9, 7 और 5 साल के थे। उन्होंने अदालत में कहा, यह सजा जरूरी है ताकि एरिक के तीनों बेटे कभी इस डर में न जिएं कि उनके पिता की जान लेने वाली महिला फिर उन्हें नुकसान पहुंचा सकती है। यह मामला साल 2023 में काफी चर्चा में आया था। कोरी रिचिन्स को उस समय गिरफ्तार किया गया था, जब वह अपने बच्चों के लिए लिखी उस किताब का प्रचार कर रही थी, जिसमें एक लड़के के अपने पिता की मौत के दुख से उबरने की कहानी थी। बेटों ने कहा- हमें अपनी मां से डर लगता है। कोरी की भाभी केटी रिचिन्स बेंसन ने कहा कि ये बच्चे किसी किताब की कहानी का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन उनकी जिंदगी कोरी की वजह से ऐसे ही दर्द और दुख में बदल गई है। सामाजिक कार्यकर्ताओं ने अदालत में बच्चों के लिखे पत्र पढ़कर सुनाए। तीनों बेटों ने कहा कि अगर उनकी मां जेल से बाहर आई तो वे खुद को सुरक्षित महसूस नहीं करेंगे। जब बच्चे अधपका खाना खाने से मना करते थे, तब उनकी मां उन्हें डराने के लिए युद्ध से प्रभावित इलाकों में भूखे बच्चों के वीडियो दिखाती थी। अब 11 साल के हो चुके बीच वाले बेटे ने कहा, आपने सिर्फ लालच की वजह से मेरे पापा को हमसे छीन लिया और आपको सिर्फ अपने बारे में और अपने बेकार बॉयफ्रेंड की चिंता थी।

इंटरनेशनल रोड फेडरेशन (इंडिया चैप्टर) को मिला नया अध्यक्ष

नई दिल्ली, एजेंसी। डॉ. अनिलकुमार गायकवाड़, जो महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम के उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक हैं, को इंटरनेशनल रोड फेडरेशन (इंडिया चैप्टर) का अध्यक्ष चुना गया है। यह वैश्विक सड़क सुरक्षा संस्था दुनिया भर में बेहतर और सुरक्षित सड़कों के लिए काम करती है। डॉ. गायकवाड़, जो इंफ्रास्ट्रक्चर और सड़क विकास के क्षेत्र में एक अनुभवी और कुशल पेशेवर हैं, से उम्मीद की जाती है कि वे सड़क सुरक्षा और मोबिलिटी से जुड़ी विभिन्न पहलों के माध्यम से इंटरनेशनल रोड फेडरेशन के इंडिया चैप्टर में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। इनमें फेडरेशन के प्रमुख कार्यक्रम शामिल हैं, जो सुरक्षित सड़क प्रणाली के 5ई – सड़कों की इंजीनियरिंग, वाहनों की इंजीनियरिंग और नीतिगत सुधार, शिक्षा, प्रवर्तन और आपातकालीन देखभाल – पर केंद्रित हैं। साथ ही, स्कूलों के लिए राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा मिशन भी इसमें शामिल है, जिसमें स्कूल ज़ोन सुरक्षा और डिजिटल सड़क सुरक्षा शिक्षा की पहलें शामिल हैं। वे फेडरेशन के सदस्यों के आधार को मजबूत करने और उसका विस्तार करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। डॉ. गायकवाड़ के नेतृत्व में, फेडरेशन सड़क सुरक्षा को एक राष्ट्रीय प्राथमिकता के रूप में आगे बढ़ाना जारी रखेगा, साथ ही वकालत, परामर्श, संस्थागत क्षमता निर्माण और टिकाऊ हरित निर्माण प्रथाओं को बढ़ावा देने पर अपना ध्यान केंद्रित करेगा। पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार इंफ्रास्ट्रक्चर विकास पर विशेष जोर दिया जाएगा, जिसमें ग्रीन हाउस कैलकुलेटर जैसे अभिनव उपकरणों की मदद ली जाएगी। आईआरएफ इंडिया चैप्टर की मुख्य संचालन टीम में 21 प्रतिष्ठित सदस्य और चार विशेष स्थायी आमंत्रित सदस्य शामिल हैं। इस टीम का नेतृत्व संस्थापक अध्यक्ष श्री के.के. कपोइला कर रहे हैं, जिनके पास सड़क इंजीनियरिंग, इंफ्रास्ट्रक्चर, परिवहन, शिक्षा, प्रवर्तन और टिकाऊ मोबिलिटी क्षेत्रों में विशेषज्ञता है। आईआरएफ-आईसी की गवर्निंग काउंसिल और सदस्यों ने निवर्तमान अध्यक्ष श्री अखिलेश श्रीवास्तव के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने अध्यक्ष के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान अपने गतिशील नेतृत्व और उत्कृष्ट योगदान से संस्था को आगे बढ़ाया।

टाटा पावर ने वित्त वर्ष 25-26 की चौथी तिमाही और पूरे वार्षिक वित्तीय वर्ष के लिए मुनाफे में शानदार बढ़त दर्ज की

मुंबई, एजेंसी। भारत की सबसे बड़ी पावर कंपनियों में से एक, टाटा पावर ने 31 मार्च, 2026 को समाप्त हुई चौथी तिमाही के नतीजे घोषित किए हैं। कंपनी का मुनाफा (पीएटी) 8 प्रतिशत बढ़कर 1,416 करोड़ रहा। इस दौरान कंपनी का कुल रेवेन्यू 15,962 करोड़ रहा, जबकि बेहतर कामकाज और सही रणनीति की बदौलत कामकाजी मुनाफा 10 प्रतिशत बढ़कर 4,216 करोड़ पर पहुँच गया।

इस तिमाही के नतीजे बताते हैं कि कंपनी स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ाने, अपने काम करने के तरीके को बेहतर बनाने और नए साझेदार जोड़ने पर पूरा ध्यान दे रही है। इसका उद्देश्य आने वाले समय में बिजली की कमी को दूर करना और पर्यावरण को सुरक्षित रखना है।

इस तिमाही की सबसे बड़ी बात यह रही कि कंपनी एक बेहतर भविष्य बनाने की अपनी कोशिशों में जुटी रही। इस दौरान कंपनी ने भूटान में पानी से बिजली बनाने वाले प्रोजेक्ट्स पर काम आगे बढ़ाया और बिजली को एक जगह से दूसरी जगह सुरक्षित पहुँचाने के लिए दो बड़े नेटवर्क तैयार किए। साथ ही, कंपनी एक खास पंप हाइड्रो प्रोजेक्ट पर भी तेज़ी से काम कर रही है, ताकि आने वाले समय में लोगों को दिन-रात बिना रुके साफ और प्रदूषण-मुक्त बिजली मिल सके।

कंपनी ने इस साल 7 प्रतिशत ज़्यादा 5,118 करोड़ का मुनाफा (रिपोर्टेड पीएटी) कमाया है, जो अब तक का सबसे ज़्यादा मुनाफा है। साल भर में कंपनी की कुल कमाई 63,681 करोड़ रही, और उसका कामकाजी मुनाफा भी 11 प्रतिशत बढ़कर 16,090 करोड़ तक पहुँच गया।

वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में शानदार प्रदर्शन के कई बड़े कारण रहा। कंपनी ने अपने अलग-अलग कारोबारों को बेहतर ढंग से चलाया और तमिलनाडु के तिरुनेलवेली प्लांट में सोलर सेल और मॉड्यूल का उत्पादन तेज़ी से बढ़ाया। इसके साथ ही, कंपनी ने 3.7 लाख से ज़्यादा घरों में सोलर पैनल (रूटटॉप सोलर) लगाने की उपलब्धि हासिल की, बड़े स्तर पर नए क्लीन एनर्जी प्रोजेक्ट्स शुरू किए और ओडिशा में बिजली वितरण के काम में काफी सुधार किया।

ब्रीफ न्यूज

सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी थाईलैंड ओपन बैडमिंटन के पुरुष डबल्स के सेमीफाइनल में

नईदिल्ली। थाइलैंड ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में सात्विक साईराज रंकी रेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी पुरूष डबल्स के सेमीफाइनल में पहुंच गई है। क्वार्टर फाइनल में उन्होंने ताकुमी नोमुरा और युइची शिमोगामी की जापानी जोड़ी को 21-12, 21-13 से हराया।

उधर महिला सिंगल्स क्वार्टर फाइनल में पी वी सिंधु को जापान की अकाने यामागुची से हार का सामना करना पड़ा। आज पुरूष सिंगल्स क्वार्टर फाइनल में लक्ष्य सेन का मुकाबला थाईलैंड के कुनलाउत वितिदसर्न से होगा।

11वें सांडा विश्व कप में भारत की वुशु खिलाड़ी अपर्णा दहिया ने स्वर्ण पदक जीता

नईदिल्ली। भारत की वुशु खिलाड़ी अपर्णा दहिया ने कल मकाऊ में आयोजित 11वें सांडा विश्व कप में महिलाओं के 52 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। अपर्णा ने फाइनल में मौजूदा विश्व चैंपियन वियतनाम की थी फुओंग न्गा न्गो को सीधे सेटों में हराया।

12 मई को शुरू हुए इस टूर्नामेंट में भारत का यह पहला स्वर्ण पदक था। इससे पहले, अपर्णा सितंबर 2025 में ब्राजील में आयोजित विश्व वुशु चैंपियनशिप के फाइनल में इसी प्रतिद्वंदी से हार गई थीं।

प्रतिस्पर्धी वुशु को ताओलू और सांडा में दो प्रमुख वर्गों में बांटा गया है।ताओलू जिम्नास्टिक और मार्शल आर्ट का मिश्रण है, और इसमें प्रतियोगियों को उनके मूवमेंट के आधार पर अंक दिए जाते हैं, जबकि सांडा एक आधुनिक बिना हथियार वाली स्?पर्धा है, जिसमें मुख?य रूप से मुक?का मारना, लात मारना, फेंकना, कुश्ती और बचाव के तकनीक का इस्?तेमाल होता है।

इस बार फीफा विश्वकप जीतना चाहेंगे रोनाल्डो

लिस्बन। पुर्तगाल की फुटबॉल टीम के कप्तान और स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के नाम अब तक कई खिताब है पर वह आज तक फीफा विश्व कप नहीं जीत पाये हैं। ऐसे में अब 41 साल के हो रहे रोनाल्डो के पास विश्वकप जीतने का अंतिम अवसर है जिसका वह पूरा लाभ उठाना चाहेंगे। पांच बार के बैलन डीओर विजेता रहे रोनाल्डो ने अपने करियर में हर बड़ी ट्रॉफी जीती है पर विश्कप में अब तक वह सफल नहीं हुए है। इसलिए वह इस बार इसे हासिल करने का पूरा प्रयास करेंगे। विश्कप 11 जून से अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में खेला जाएगा।

फुटबॉल वर्ल्ड कप के लिए फ्रांस की टीम घोषित

एमबाप्पे कप्तानी करेंगे, फॉरवर्ड लाइन में डेम्बेले और डौए जैसे नाम

पेरिसे । साल 2022 की फाइनलिस्ट फ्रांस ने 11 जून से शुरू हो रहे फुटबॉल वर्ल्ड कप के लिए 26 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। पिछले फाइनल में 3 गोल दागने वाले किलियन एम्बाप्पे को इस टीम की कप्तानी सौंपी गई है।

कोच डिडिएर डेसचैम्प्स ने दमदार फॉरवर्ड लाइन तैयार किया है। इसमें एमबाप्पे के अलावा, बैलोन डी'ओर विजेता ओस्मान डेम्बेले और युवा स्टार डेसिरे डौए जैसे नाम है। 2018 की चैंपियन और 2022 की उपविजेता फ्रांस इस बार तीसरा वर्ल्ड कप जीतने के इरादे से मैदान पर उतरेगी।

फारवर्ड लाइन में अनुभव और युवाओं का मिश्रण

फ्रांस का फॉरवर्ड लाइनअप इस समय दुनिया में सबसे मजबूत नजर आ रहा है। टीम में सुपरस्टार किलियन एमबाप्पे के साथ बैलोन डी'ओर विजेता ओस्मान डेम्बेले, उभरते हुए सितारे डेसिरे डौए, माइकल ओलिसे, रेयान चेर्की, ब्रैडली बारकोला और मैग्नेस अक्लिओचे शामिल हैं। यह आक्रमण पंक्ति किसी भी विरोधी रक्षापंक्ति को ध्वस्त करने का माद्दा रखती है। रियल मैड्रिड के स्टार मिडफील्डर एडुआर्डो कामाविंगा का नाम सूची से गायब होना सबसे बड़ा सरप्राइज है।

रॉबिन रिसर को घरेलू प्रदर्शन का इनाम

घरेलू लीग (लेंस) के लिए शानदार प्रदर्शन करने वाले युवा गोलकीपर रॉबिन रिसर को पहली बार विश्व कप टीम में शामिल किया गया है। रिसर ने इस सप्ताह की शुरुआत में ही सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर का पुरस्कार जीता था। उन्हें मुख्य गोलकीपर माइक मैगनन और ब्राइस सांबा के बाद तीसरे गोलकीपर के विकल्प के

रूप में शामिल किया गया है। टीम में चुने जाने पर रिसर ने भावुक होकर कहा, 'यह मेरा एक सपना था, यह अविश्वसनीय है और मेरे पास शब्द नहीं हैं।'

कोलो मुआनी पर गिरी गाजः पिछले वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में गोल दागने वाले और फाइनल में अर्जेंटीना के खिलाफ ऐतिहासिक चांस चूकने वाले रैंडल कोलो मुआनी को टीम में जगह नहीं मिली है। उनकी जगह क्रिस्टल पैलेस के फॉर्म में चल रहे फारवर्ड जीन-फिलिप माटेटा को तरजीह दी गई है।

लुकास शेवेलियर को झटकाः क्लब के गोलकीपर लुकास शेवेलियर जनवरी के बाद से क्लब के लिए बेंच पर बैठने के कारण वर्ल्ड कप का टिकट हासिल करने में नाकाम रहे। कोच ने साफ कहा, 'चयन का मुख्य आधार मैदान पर प्रदर्शन है। लुकास कई महीनों से खेले ही नहीं हैं।

कोच डेसचैम्प्स के लिए आखिरी टूर्नामेंट

यह टूर्नामेंट फ्रांस के सबसे सफल कोच डिडिएर डेसचैम्प्स के लिए आखिरी साबित होगा। उन्होंने पहले ही घोषणा कर दी है कि वे इस मेगा टूर्नामेंट के बाद संन्यास ले लेंगे। साल 2012 से फ्रांस के कोच रहे डेसचैम्प्स अपने विदाई टूर्नामेंट को ऐतिहासिक बनाना चाहेंगे। फ्रांस को ग्रुप आई में रखा गया है।

मैच-59 • चेन्नई तीन मैच जीतने के बाद हारीःलखनऊ 7 विकेट से जीती; मिचेल मार्श ने 90 रन बनाए, आकाश को 3 विकेट

प्लेऑफ की डगर हुई मुश्किल

इकाना। लखनऊ सुपर जायंट्स ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई सुपर किंग्स को 7 विकेट से हरा दिया। लखनऊ ने 188 रन का टारगेट 16.4 ओवर में ही 3 विकेट खोकर हासिल कर लिया। चेन्नई ने इकाना स्टेडियम में टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 187 रन बनाए थे।

मार्श-इंग्लिस के बीच 135 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप

जीत के हीरो मिचेल मार्श रहे, जिन्होंने 38 गेंदों में 90 रन की पारी खेली। उनकी पारी में 9 चौके और 7 छक्के शामिल रहे। वहीं जोस इंग्लिस ने 36 रन बनाकर 135 रन की शानदार ओपनिंग साझेदारी निभाई। आखिर में निकोलस पूरन 17 गेंदों में 32 रन बनाकर नाबाद लौटे। उन्होंने 17वें ओवर में अंशुल कंबोज को लगातार चार चौके जड़े।

चेन्नई की ओर से मुकेश चौधरी और स्पेंसर जॉनसन को 1-1 विकेट मिला, लेकिन गेंदबाज लखनऊ के बल्लेबाजों पर दबाव नहीं बना सके। खासकर अंशुल कंबोज काफी महंगे साबित हुए और 2.4 ओवर में 63 रन लुटा बैठे।

कार्तिक शर्मा ने 42 बॉल पर 71 रन बनाए

चेन्नई की शुरुआत अच्छी नहीं रही और पावरप्ले में ही दो बड़े विकेट गिर गए, लेकिन इसके बाद कार्तिक शर्मा और डेवाल्ड ब्रेविस ने पारी को संभाला। कार्तिक ने 42 गेंदों में 71 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें 6 चौके और 5 छक्के शामिल रहे। वहीं ब्रेविस ने 16 गेंदों में 25 रन बनाए। दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 70 रन की साझेदारी हुई। आखिर में शिवम दुबे ने तेज बल्लेबाजी करते हुए 16 गेंदों में नाबाद 32 रन बनाए, जबकि प्रशांत वीर ने 13 रन का योगदान दिया।

लखनऊ की ओर से डेब्यू कर रहे आकाश सिंह सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 4 ओवर में 26 रन देकर 3 विकेट लिए। मोहम्मद शमी और शहबाज अहमद को 1-1 विकेट मिला।

ग्वालियर की बेटियां अब एशिया कप में दिखाएंगी दम

नईदिल्ली।

अकादमी की जिन खिलाड़ियों ने भारतीय कैंप में जगह बनाई है उनमें गोलकीपर महक परिहार, स्ट्राइकर नम्मी गीताश्री, मिड फील्डर स्नेहा दवाड़े और स्ट्राइकर नौशी

ग्वालियर की बेटियां अब एशिया कप में दिखाएंगी दम, राज्य महिला हॉकी अकादमी की चार खिलाड़ी भारतीय टीम कैंप में चयनित अकादमी की चयनित खिलाड़ी नम्मी, स्नेहा, नौशीन, महक। नईदुनिया जापान में होने वाली एशिया कप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी ग्वालियर की स्टार्स ओलिंपियन रानी रामपाल ने झारखंड के रांची में परखी प्रतिभा एशिया कप से पहले भोपाल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैदान में आज उतरेंगी खिलाड़ी डिजिटल डेस्क, ग्वालियर। मध्य प्रदेश खेल एवं युवा कल्याण विभाग की राज्य महिला हॉकी अकादमी ग्वालियर की खिलाड़ियों ने एक बार फिर प्रदेश और देश का नाम रोशन किया है। अकादमी की चार प्रतिभाशाली महिला खिलाड़ियों का चयन आगामी अंडर-18 महिला एशिया कप की तैयारियों के लिए भारतीय टीम कैंप में हुआ है। यह एशिया कप 29 मई से 6 जून 2026 तक जापान में आयोजित होगा।

आईपीएल में आज होगा केकेआर और टाइटंस में मुकाबला

शाम 7: 30 पर खेला जाएगा मैच

कोलकाता

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में गुजरात टाइटंस का मुकाबला करेगी। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के इरादे से उतरेंगी। जहां केकेआर का लक्ष्य इस मैच को बड़े अंतर से जीतकर प्लेऑफ के लिए अपनी हल्की सी उम्मीदें बनाये रखना रहेगा। वहीं गुजरात टाइटंस इस मैच को जीतकर प्लेऑफ में जगह बनाना चाहेगी। इस सत्र में अब तक के प्रदर्शन को देखते हुए गुजरात टाइटंस जीत की प्रबल दावेदार नजर आती है। इस सत्र में जब पिछली बार इन दोनों टीमों में मुकाबला हुआ था तब गुजरात टाइटंस ने केकेआर को 5 विकेट से मात दी थी। ऐसे में अब केकेआर हिसाब बराबर करना चाहेगी।

आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो ही टीमों के बीच 6 मुकाबले हुए हैं जिसमें से केकेआर ने 1 जबकि गुजरात ने 4 जीते हैं, वहीं एक मैच का परिणाम नहीं आया है।

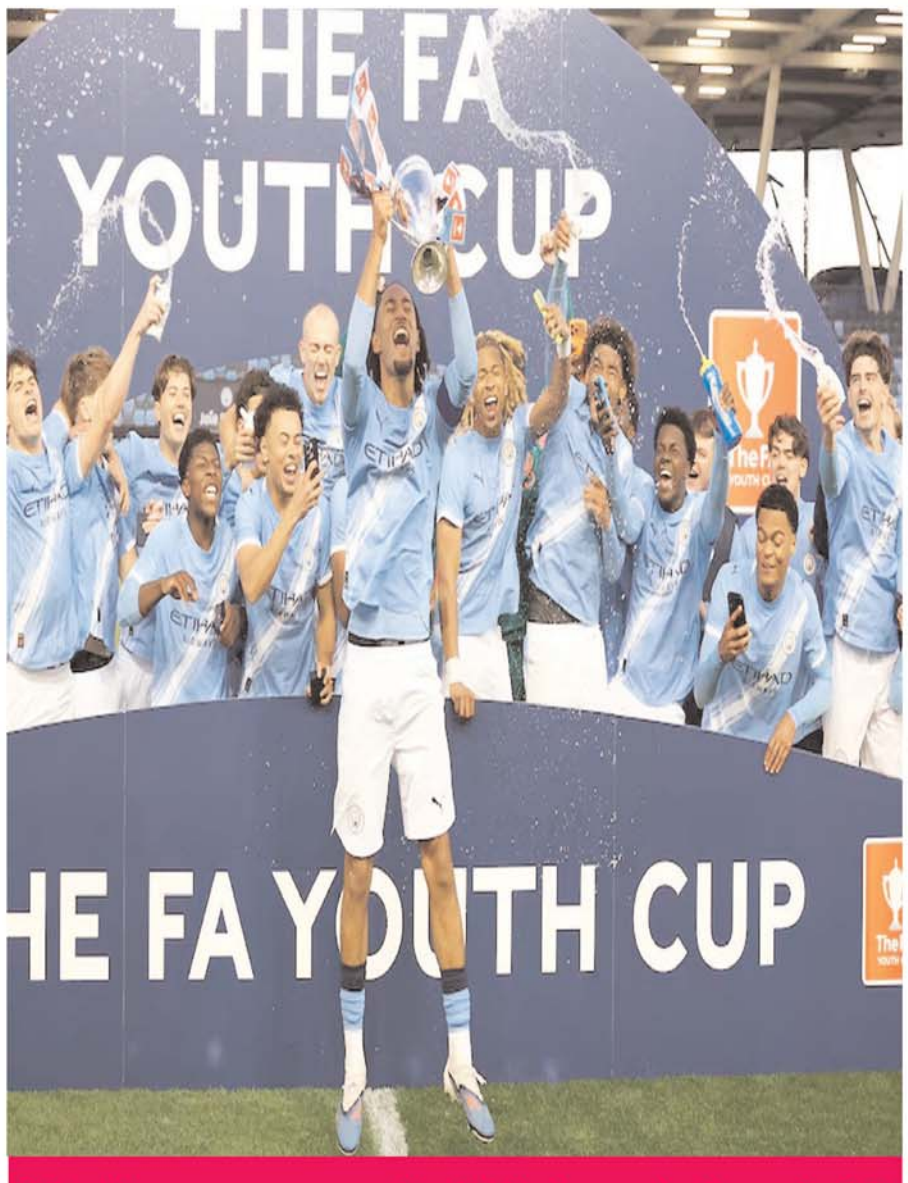

ब्रिटेन में एफए यूथ कप फुटबॉल में जीत के बाद मैनचेस्टर सिटी के कैदान बैथवेट अपने साथियों के साथ ट्रॉफी के साथ जश्न मनाते हुए।

सिलेक्शन ट्रायल के फाइनल में मीनाक्षी को हराया, निखत जरीन को भी मात दी

बॉक्सर साक्षी चौधरी को कॉमनवेल्थ और एशियन गेम्स का टिकट

पटियाला। हरियाणा की मुक्केबाज साक्षी चौधरी ने 2026 कॉमनवेल्थ गेम्स और एशियन गेम्स का टिकट हासिल कर लिया है। उन्होंने शुक्रवार को पटियाला में चल रहे सिलेक्शन ट्रायल्स के फाइनल में वर्ल्ड चैंपियन मीनाक्षी हुड्?डा को 5-0 से हराया।

सर्विसेस से खेल रही साक्षी ने 2022 बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स की गोल्ड मेडलिस्ट निखत जरीन को 51 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में 4-1 से हराया था। वहीं, 48 किग्रा वर्ग की मीनाक्षी ने नीतू घंघास को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। 2026 के कॉमनवेल्थ गेम्स जुलाई-अगस्त में ग्लासगो में होंगे। इसके बाद सितंबर-अक्टूबर में जापान में एशियन गेम्स का आयोजन होगा।

जीतने वाले मुक्केबाज चेकिया में कैंप में जाएंगे

जीतने वाले मुक्केबाज कॉमनवेल्थ गेम्स की तैयारी के लिए चेकिया (घ्5द्गष्द्धद्बड्ड) में लगने वाले एक्सपोजर कैंप में जाएंगे। वहीं, दूसरे स्थान पर रहने वाले मुक्केबाज जून में चीन में होने वाले वर्ल्ड बॉक्सिंग कप में हिस्सा लेंगे। बॉक्सिंग वर्ल्ड कप सीरीज-2 का आयोजन 15 से 20 जून तक चीन में किया जाएगा।

प्रमुख नतीजे

3 बार के वर्ल्ड कप मेडलिस्ट हितेश गुलिया को 70 किग्रा वर्ग में सुमित के हाथों हार झेलनी पड़ी।

एशियाड की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट परवीन हुड्डा ने अंकुशिता बोरो को हराया अपनी दावेदारी मजबूत की।

अनुभवी मुक्केबाज पूजा रानी को 80 किग्रा वर्ग में नैना ने मात दी। 65 किग्रा वर्ग में ओलिंपिक मेडलिस्ट लवलीना बोरगोहेन ने पूजा को 7-0 से हराया। हालांकि, भारतीय खेल प्राधिकरण (स्र्द्ब) ने इन वेट कैटेगरी के लिए ओपन ट्रायल्स से छ्वह्वत्र और वर्ल्ड कप खिलाड़ियों के चयन के निर्देश दिए। साथ ही, पारदर्शिता की कमी के कारण असेसमेंट सिस्टम सस्पेंड कर दिया था। अधिकांश मुक्केबाजों ने स्र्द्ब के फैसले को सही ठहराया। इंटरनेशनल बॉक्सर्स का कहना है कि ट्रायल सिस्टम ज्यादा निष्पक्ष है।

ट्रेडिशनल ट्रायल सिस्टम लौटा, प्लेयर्स की दो राय

बीफआई ने एशियन चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाले बॉक्सर्स को कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए सीधे क्वालिफाई माना था। जिन वेट कैटेगरी के बॉक्सर फाइनल में नहीं पहुंचे थे, उनका चयन प्रदर्शन के अंकों के आधार पर होना था।

प्रीति पवार सहित 4 महिला बॉक्सर कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए क्वालिफाई

महिला वर्ग में प्रीत पवार (54 किग्रा), प्रिया घंघास (60 किग्रा), जैस्मिन लंबोरिया (57 किग्रा) और अरुंधति चौधरी (70 किग्रा) एशियन चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचकर कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए क्वालिफाई कर चुकी हैं। पुरुष वर्ग में सचिन सिवाच ने भी कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए जगह पक्की कर ली है। बाकी चार वेट कैटेगरी - 55 किग्रा, 65 किग्रा, 70 किग्रा और +90 किग्रा के लिए ट्रायल आयोजित किए जा रहे हैं।

मोदी सरकार की नीतियों पर कांग्रेस का हमला, बढ़ती महंगाई और ईंधन संकट को लेकर घेरा

बीजापुर/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा शनिवार को जिला मुख्यालय बीजापुर में पत्रकार वार्ता आयोजित की गई। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता उमाशंकर शुक्ला ने केंद्र की मोदी सरकार पर किसानों, महंगाई, ईंधन संकट और बेरोजगारी को लेकर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री Narendra Modi किसानों से उर्वरकों के उपयोग कम करने की अपील कर रहे हैं, जबकि देश पिछले कई वर्षों से उर्वरक संकट से जूझ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों की आय दोगुनी करने का वादा पूरा नहीं हुआ और महंगे उर्वरक व कमी के कारण किसान आर्थिक संकट में हैं। शुक्ला ने कहा कि छत्तीसगढ़ में लगभग 15 लाख मीट्रिक टन उर्वरक की आवश्यकता है, लेकिन अब तक केवल 51 हजार मीट्रिक टन उर्वरक ही सोसायटियों तक पहुंच पाया है। कांग्रेस नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा लोगों से ÷वर्क फ्रॉम होम÷ और

कम उपयोग की अपील करना देश की उत्पादकता को प्रभावित करने वाला कदम है। उन्होंने कहा कि फेरी लगाने वाले, मजदूर और रोज कमाने-खाने वाले लोग घर बैठकर अपना जीवनयापन नहीं कर सकते। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री Jawaharlal Nehru के कथन ÷आराम हराम है÷ का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार काम कम करने की सलाह दे रही है। महंगाई के मुद्दे पर हमला बोलते हुए शुक्ला ने कहा कि रसोई गैस, खाद्य तेल और दैनिक उपयोग की वस्तुओं की कीमतों में भारी वृद्धि से आम जनता परेशान है। उन्होंने दावा किया कि 2013 की तुलना में आज सोने के दाम कई गुना बढ़ चुके हैं, जिससे आम परिवारों की आर्थिक स्थिति प्रभावित हुई है। उन्होंने प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं और सरकारी खर्चों का भी मुद्दा उठाते हुए कहा कि जनता महंगाई से जूझ रही है, जबकि सरकार खर्चों में कटौती करने के बजाय विदेश यात्राओं पर करोड़ों रुपए खर्च कर रही है।पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों और कथित ईंधन संकट पर कांग्रेस नेता ने कहा कि मोदी सरकार बनने के बाद पेट्रोल और डीजल के दामों में भारी वृद्धि हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले 12 वर्षों में पेट्रोलियम उत्पादों पर भारी कर लगाकर जनता पर आर्थिक बोझ डाला गया। साथ ही उन्होंने कहा कि देश में आज भी केवल तीन बड़े करूड ऑयल भंडारण केंद्र हैं, जिनका निर्माण पूर्ववर्ती यूपीए सरकार के कार्यकाल में हुआ था, जबकि वर्तमान सरकार ने नया भंडारण केंद्र नहीं बनाया।शुक्ला ने भाजपा नेताओं और मंत्रियों से भी ईंधन बचाने की अपील पर अमल करने की बात कही। उन्होंने कहा कि यदि प्रधानमंत्री जनता से डीजल-पेट्रोल बचाने की अपील कर रहे हैं तो सबसे पहले भाजपा नेताओं के बड़े काफ्लि और सरकारी खर्च कम किए जाने चाहिए। प्रेस वार्ता में विधायक विक्रम मंडावी, जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष लालू राठौर, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष शंकर कुड़ियम सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वट सावित्री व्रत पर उमड़ी आस्था, सुहागिन महिलाओं ने मांगा अखंड सौभाग्य

बस्तर/मूक पत्रिका

बस्तर जिले के विभिन्न क्षेत्रों में वट सावित्री व्रत श्रद्धा, विश्वास और भारतीय संस्कृति के उत्सव के रूप में मनाया गया। पल्लीभाटा क्षेत्र सहित आसपास के गांवों में सुहागिन महिलाओं ने पूरे विधि-विधान के साथ वट वृक्ष की पूजा कर अपने पति की लंबी आयु, परिवार की सुख-समृद्धि और अखंड सौभाग्य की कामना की। सुबह से ही वट वृक्षों और मंदिर परिसरों में महिलाओं की भीड़ देखने को मिली। पारंपरिक वेशभूषा और सोलह श्रृंगार में सजी महिलाओं ने पूजा की थालियों के साथ वट वृक्ष की परिक्रमा की तथा रक्षा और सौभाग्य के प्रतीक धागे बांधे। इस दौरान महिलाओं ने सावित्री और सत्यवान की कथा का श्रवण कर वैवाहिक जीवन की सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। पूजा स्थलों पर भजन-कीर्तन, मंत्रोच्चार और सामूहिक आराधना से वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना रहा। महिलाओं ने श्रद्धा और विश्वास के साथ व्रत रखकर परिवार की खुशहाली और वैवाहिक जीवन में सुख-शांति की मंगलकामना की। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, माता सावित्री ने अपने दृढ़ संकल्प, तप और प्रेम के बल पर यमराज से अपने पति सत्यवान के प्राण वापस प्राप्त किए थे। इसी विश्वास और परंपरा के तहत सुहागिन महिलाएं हर वर्ष वट सावित्री व्रत रखती हैं। इस पर्व ने बस्तर अंचल में धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक परंपरा और पारिवारिक मूल्यों की सुंदर झलक प्रस्तुत की।

करही हत्याकांड में पुलिस की निष्क्रियता से हत्यारोपी बेखौफ, 20 मई को होगा एसपी कार्यालय का घेराव - राजेश अग्रवाल

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

बिर्रा थाना क्षेत्र के करही गांव में हुए सनसनीखेज गोलीकांड और आयुष कश्यप की मौत के मामले में अब सियासत तेज हो गई है। घटना को करीब 20 दिन बीत जाने के बावजूद आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने से कांग्रेस में भारी आक्रोश है। इसी को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी ने 20 मई को पुलिस अधीक्षक कार्यालय का बड़े पैमाने पर घेराव करने का ऐलान किया है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजेश अग्रवाल ने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि इतने गंभीर मामले में भी आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं और जांजगीर-

चांपा पुलिस हाथ पर हाथ धरे बैठी है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस केवल हवा-हवाई बयान दे रही है, जबकि ज़मीनी स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो रही। साथ ही उन्होंने भाजपा सरकार पर भी पुलिस के प्रति असंवेदनशील रवैया अपनाने का आरोप लगाया। यह मामला बिर्रा थाना क्षेत्र के करही गांव का है, जहां तीन अज्ञात नकाबपोश बदमाशों ने व्यवसायी एवं कांग्रेस के ब्लॉक उपाध्यक्ष सम्मेलाल कश्यप के घर में घुसकर ताबड़तोड़ फायरिंग की थी। हमलावरों ने घर में घुसते ही परिवार को निशाना बनाते हुए गोलियां चलाई।इस हमले में बड़े बेटे आयुष कश्यप को दो गोलियां लगीं, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं छोटे बेटे आशुतोष कश्यप के दाहिने हाथ में गोली लगी। आयुष को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इस घटना ने पूरे जिले को झकझोर कर रख दिया।बताया गया कि वारदात के दौरान बदमाशों ने घर के अन्य सदस्यों को कमरों में बाहर से बंद कर दिया था, ताकि कोई बाहर निकलकर मदद न मांग सके। गोली चलने की आवाज से पूरे गांव में अफरा-तफरी मच गई और दहशत का माहौल बन गया।कांग्रेस का आरोप है कि पुलिस अपराधियों को पकड़ने में पूरी तरह से नाकाम साबित हो रही है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि इतने दिन बीत जाने के बाद भी न तो आरोपियों की पहचान हो सकी है और न ही कोई गिरफ्तारी हुई है, जो पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

इसी के विरोध में 20 मई को बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एसपी कार्यालय पहुंचकर घेराव करेंगे और आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग करेंगे।कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

कुसमूरा में दिखी मुख्यमंत्री विष्णुदेव की सादगी और आत्मीयता, पुराने सहयोगी सनत नायक के घर पहुंचे

परिवारजनों से की आत्मीय मुलाकात, घर में किया भोजन

रायगढ़/मूक पत्रिका

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने एक बार फिर यह साबित किया कि सार्वजनिक जीवन में ऊंचे पद पर पहुंचने के बाद भी अपने पुराने साथियों और संबंधों को निभाना उनके व्यक्तित्व की विशेष पहचान है। सुशासन तिहार के अंतर्गत ग्राम कुसमूरा में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने से पहले मुख्यमंत्री अपने पुराने सहयोगी सनत नायक के निवास पहुंचे और उनके परिवारजनों से आत्मीय मुलाकात की।मुख्यमंत्री ने परिवार के सदस्यों के साथ सहज संवाद करते हुए पुराने दिनों की स्मृतियां साझा कीं तथा उनके घर पर भोजन भी किया। यह आत्मीय मुलाकात इस बात का उदाहरण है कि जीवन में कितनी भी बड़ी सफलता मिल जाए, रिश्तों और साथ निभाने वाले लोगों का महत्व हमेशा बना रहता है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय रायगढ़ क्षेत्र से चार बार सांसद रह चुके हैं। इस दौरान सनत नायक ने एक सहयोगी के रूप में उनके साथ कार्य किया है।

सिंघनपुर गुफा का सर्वे करने आई टीम पर मधुमक्खियों का हमला .. 5 सदस्य अस्पताल में भर्ती

रायगढ़/मूक पत्रिका

जिले के भूपदेवपुर थाना क्षेत्र स्थित ऐतिहासिक सिंघनपुर गुफा में उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब सर्वे करने पहुंची टीम पर अचानक मधुमक्खियों के झुंड ने हमला कर दिया। प्राप्त जानकारी अनुसार सिंघनपुर गुफा का सर्वे करने के लिए बाहर से एक टीम आई है जो गुफा के पुरातत्व निशान एवं अन्य चीजों का परिक्षण कर रहें है। परिक्षण के दौरान शुक्रवार शाम करीब 4 बजे मधुमक्खियों के अचानक हुए घातक हमले से मौके पर मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार सर्वे कार्य में जुटी टीम गुफा क्षेत्र का निरीक्षण कर रही थी, तभी मधुमक्खियों का झुंड भड़क उठा और टीम के सदस्यों पर टूट पड़ा स्थिति इतनी भयावह हो गई कि जान बचाने के लिए सभी को इधर-उधर भागना पड़ा। काफी मशक्कत के बाद टीम के सदस्य किसी तरह सुरक्षित स्थान तक पहुंचे।घटना में सर्वे टीम के 5 सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिन्हें तत्काल रायगढ़ स्थित जिंदल अस्पताल में भर्ती कराया गया है,। जहां उनका उपचार जारी है। वहीं वन विभाग के 3 कर्मचारी भी मधुमक्खियों के हमले में घायल बताए जा रहे हैं। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। फिलहाल घायलों की स्थिति पर डॉक्टरों की निगरानी बनी हुई है, जबकि प्रशासन और वन विभाग की टीम पूरे मामले की जानकारी जुटाने में लगी है।

सुशासन तिहार के दौरान मुख्यमंत्री साय पहुंचे कोसला धाम: माता कौशल्या मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सुशासन तिहार के अंतर्गत आज जांजगीर-चांपा जिले के पामगढ़ विकासखंड स्थित ग्राम कोसला पहुंचकर माता कौशल्या मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना की। उन्होंने माता कौशल्या एवं प्रभु श्रीराम से प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, शांति और छत्तीसगढ़ की निरंतर प्रगति के लिए प्रार्थना की। मुख्यमंत्री के मंदिर परिसर पहुंचने पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों, मंदिर सेवा समिति एवं ग्रामीणों द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर वित्तमंत्री ओ.पी. चौधरी, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के विशेष सचिव रजत बंसल, पूर्व संसदीय सचिव अम्बेश जांगड़े, जिला पंचायत अध्यक्ष इंजी. सत्यलता आनंद मिरी, अमर सुलतानिया, कलेक्टर जन्मेजय महोबे , पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता पाल सहित ग्रामीणजन उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं एवं ग्रामीणों से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति, आस्था और परंपराएं प्रदेश की सबसे बड़ी शक्ति हैं। हमारी सरकार विकास के साथ-साथ सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए भी निरंतर कार्य कर रही है। मंदिर सेवा समिति द्वारा मुख्यमंत्री को माता कौशल्या मंदिर का आकर्षक छायाचित्र स्मृति स्वरूप भेंट किया गया। मुख्यमंत्री के अचानक आगमन से क्षेत्र में उत्साह और उल्लास का वातावरण देखने को मिला।

ग्रामीणों की शिकायत के बाद जागा प्रशासन, अवैध महुआ शराब पर कार्रवाई,आरोपी जेल दाखिल

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

बीते दिनों ग्रामीणों द्वारा तहसीलदार और थाना प्रभारी को लिखित शिकायत दिए जाने के बाद आखिरकार प्रशासन की नींद खुली और अवैध शराब कारोबार के खिलाफ ठोस कार्रवाई की गई। थाना बम्हनीडीह पुलिस ने ग्राम भंवरमल में अवैध कच्ची महुआ शराब बेचने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी ढाकेश्वर बरेठ पिता दशरथ बरेठ (33 वर्ष), निवासी भंवरमल, थाना बम्हनीडीह लंबे समय से गांव में अवैध रूप से कच्ची महुआ शराब का कारोबार कर रहा था। ग्रामीणों ने इस गतिविधि से परेशान होकर इसकी शिकायत प्रशासन और पुलिस से की थी। शिकायत के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई की। पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता पाल (आईपीएस) के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप एवं डीएसपी मुख्यालय विजय कुमार पैकरा के मार्गदर्शन में थाना बम्हनीडीह पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी गौठान के पास अवैध शराब लेकर ग्राहक तलाश रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर घेराबंदी कर रेड कार्रवाई की।रेड के दौरान आरोपी के कब्जे से 07 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब बरामद की गई। इसके बाद आरोपी के खिलाफ धारा 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध कर उसे विधिवत गिरफ्तार किया गया और न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

पहली बार डोड़ी तुमनार पहुंचे जिला स्तरीय अधिकारी, दुर्गम इलाके में लगा स्वास्थ्य शिविर

गर्भवती महिलाओं की जांच, बच्चों का टीकाकरण और गंभीर मरीजों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजा गया

बीजापुर/मूक पत्रिका

जिले के अतिदुर्गम डोड़ी तुमनार (कुयेम गुमपुर) गांव में शुक्रवार को पहली बार जिला स्तरीय अधिकारियों की टीम पहुंची। मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान 2026 के तहत आयोजित स्वास्थ्य शिविर में ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उपचार किया गया।

लंबे समय से स्वास्थ्य सुविधाओं से दूर रहे इस इलाके में टीम के पहुंचने पर ग्रामीणों में उत्साह नजर आया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी.आर. पुजारी के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गांव में शिविर लगाकर लोगों की जांच की। शिविर में ब्लड प्रेशर, शुगर और सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। गर्भवती महिलाओं की विशेष जांच कर जरूरी दवाइयां दी गई, वहीं बच्चों का टीकाकरण भी किया गया।टीम ने टीबी और कुष्ठ रोग के संदिग्ध मरीजों की पहचान कर उनकी जांच की। अन्य बीमारियों से पीड़ित मरीजों का मौके पर उपचार किया गया। गंभीर मरीजों को बेहतर इलाज के लिए एंबुलेंस से जिला चिकित्सालय बीजापुर रेफर किया गया।स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान के जरिए दूरस्थ और पहुंचविहीन क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जा रही हैं, ताकि ग्रामीणों को इलाज के लिए लंबी दूरी तय न करनी पड़े।

क्या-क्या सुविधाएं मिलीं

ब्लड प्रेशर और शुगर जांच

गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण,बच्चों का टीकाकरण

टीबी और कुष्ठ रोग की जांच

सामान्य मरीजों का उपचार

गंभीर मरीजों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजा गया

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।